फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 13 जुलाई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 23 अंक : 91 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

अगले साल से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

● केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर दी बड़ी घोषणा ● नए रूट्स का भी ऐलान, हैदराबाद को मिलेंगे नए कॉरिडोर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल, हम मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, एक-एक करके, हम वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा। इसमें लिखा था, भारत की पहली बुलेट ट्रेन अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे और हैदराबाद के बीच का पहला प्रोजेक्ट यात्रा के समय को घटाकर दो घंटे कर देगा, हैदराबाद से मुंबई की यात्रा का समय 2 घंटे 50 मिनट हो जाएगा, हैदराबाद से अमरावती का सफर 1 घंटे 10 मिनट का हो जाएगा, हैदराबाद से चेन्नई का सफर 3 घंटे का होगा, और हैदराबाद से बेंगलुरु का सफर 2 घंटे 35 मिनट का हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि तीन बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर शुरू होने से हैदराबाद एक हाई-स्पीड हब बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवंटित 5,400 करोड़ का भारी-भरकम रेलवे बजट तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के हवाई हमले के बाद भड़का ईरान

● गालिबाफ बोले-एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच हवाई हमले बढ़ गए हैं। टकराव की रफ्तार में इजाफा पूरी दुनिया के लिए चिंता की वजह बना हुआ है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद

बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है। अपने कड़क और तीखे तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले गालिबाफ ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, हमने पहले ही कहा था- वादा निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ अमेरिका-ईरान समझौता मसौदे के अनुच्छेद-5 की तस्वीर भी साझा की।

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

● विपक्ष के साथ आने वाले बिलों को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले ठीक एक दिन पहले सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है। बैठक में इस सत्र के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण चर्चा की योजना को लेकर बातचीत की जा सकती है। सर्वदलीय बैठक में सरकार विपक्ष को यह भी बताएगी कि इस सत्र में कौन से बिल पेश किए जा सकते हैं। संसद सत्र के एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है।

जूते में छिपाकर हुआ था महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक

● 8 हजार रुपए और एक प्लॉट में बिके थे प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 पेपर लीक के चलते एक दिन पहले यानी 27 जून को रद्द कर दी गई थी। अब इस

परीक्षा को दोबारा आयोजित कराया जाएगा जिसकी नई तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन पेपर लीक की जांच के बीच कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा के उस प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था जहां इस पेपर की छपाई होनी थी। बता दें कि यह परीक्षा 28 जून को 1028 सेंटर्स पर आयोजित होनी थी 6 लाख से अधिक उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल होने थे।

पहाड़ों में 'आफत' बनी बारिश

पहलगाम में बादल फटा,सड़क बही, खेत बर्बाद

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड

श्रीनगर (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार सुबह अभियान तेज हुआ

देर रात हुई करीब दो घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद गस्ती बैंड के पास वैकल्पिक मार्ग पर भी कई स्थानों से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया। लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीमों ने जेसीबी मशीनों के जरिए मार्ग खोलने का प्रयास किया, लेकिन लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण रात में राहत कार्य भी चुनौतीपूर्ण बना रहा। रविवार सुबह मौसम साफ होने पर मलबा हटाने का अभियान तेज किया गया।

मानसून को सक्रिय रखने वाला सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में लगे खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया,खालड़ा का भी जिक्र

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसजेएफ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में

आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, अपना अखबार पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग, महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का। पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है। तब लाशें अज्ञात थीं। आज सिख की लाश आपके घर में ही है। उसको पहले ड्रग के साथ मारा जा रहा है, फिर पंजाब के किसानों को मजबूर किया जा रहा है कि वे खुदकुशी करें।

भारत-म्यांमार सीमा व्यापार 6 साल बाद फिर होगा शुरू

लिपुलेख दर्रे से ट्रेड को लेकर चीन की तैयारी हुई तेज

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पैंगसाऊ दर्रे पर भारत और म्यांमार के बीच सीमा व्यापार फिर शुरू होने की तैयारी है। करीब छह साल से अधिक समय से ये बंद चल रहा था। हालांकि, अब दोनों पक्षों के व्यापारिक संगठनों की बैठक के बाद 20 जुलाई को फिर से शुरू होने जा रहा है। फ्री मूवमेंट रिजीम के तहत सीमा-पार व्यापार से स्थानीय को फायदा होगा।

कोविड के दौरान बंद हुआ ट्रेड लिंक

कोविड-19 महामारी के कारण 3 फरवरी, 2020 को बंद किए गए इस ट्रेड लिंक को खोलने का निर्णय लिया गया। ये फैसला स्थानीय व्यापार प्रतिनिधियों और म्यांमार में उनके समकक्षों के बीच 9 जुलाई को अरुणाचल के चांगलांग जिले में व्यापार फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए हुई बैठक के बाद लिया गया।

जिम बेल्ट पर मिले ट्विशा शर्मा के स्किन टिश्यू

दिल्ली एम्स ने 11 पेज की फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में दिल्ली एम्स के मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कथित तौर पर फांसी में इस्तेमाल हुई जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिलने और बेल्ट के निशानों का गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क से मेल खाने की बात सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली एम्स के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पेज की अंतिम रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी। रिपोर्ट की अनुपालन प्रति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी भेजी गई है। मेडिकल बोर्ड ने 24 मई को दूसरा पोस्टमॉर्टम करने के साथ घटना स्थल का

निरीक्षण भी किया था। बताया जा रहा है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल और अन्य लैब जांच में जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू की पुष्टि हुई है। साथ ही बेल्ट पर मौजूद निशानों और ट्विशा की गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क के बीच वैज्ञानिक समानता पाई गई है।

हाईकोर्ट के आदेश पर हुआ था दूसरा पोस्टमॉर्टम

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। शुरुआती जांच और पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद परिजन ने हाईकोर्ट का रुख किया, जिसके बाद दिल्ली एम्स से दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने और बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए गए।

रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं, सीबीआई करेगी जांच में इस्तेमाल

दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने रिपोर्ट की सामग्री पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

● सीएम शुभेंदु अधिकारी खुद मामले को देख रहे ● ममता बनर्जी के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग-75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती।

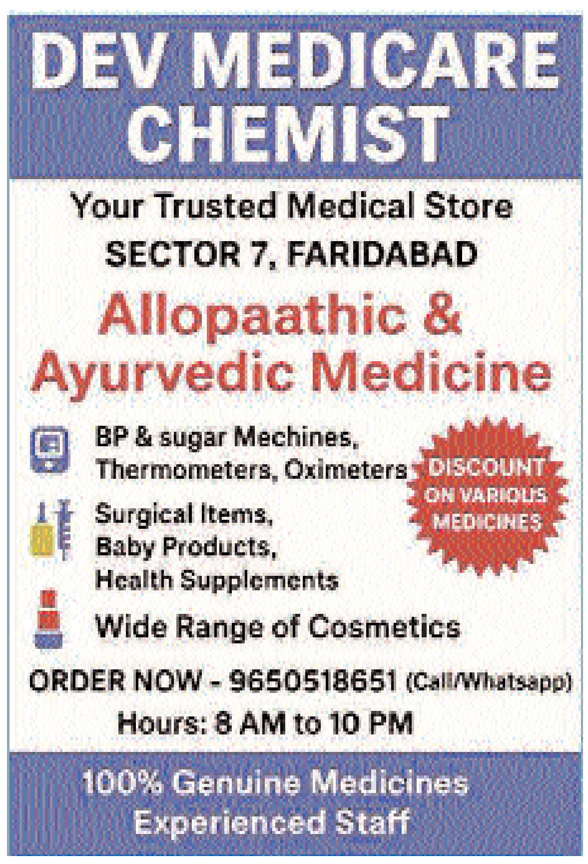

ग्रामीण सामूहिक कार्यों में मिलजुल कर करें सहयोग- विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे सामूहिक विकास कार्यों में मिलजुल कर सहयोग करें। उन्होंने पुंडरी में महिला चौपाल बनवाने की घोषणा की।

श्री कल्याण ने आज करनाल के घरौंडा हलके के गांव पुंडरी में करीब सवा करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने कश्यप चौपाल, पाल चौपाल, सामुदायिक केंद्र और पीर बाबा के नजदीक हॉल का शिलान्यास किया। इनका निर्माण पंचायत एवं विकास विभाग की ओर से कराया जाएगा जिन पर करीब सवा करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दस-बारह साल में क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के शासनकाल में कई बड़े प्रोजेक्ट मंजूर हुए जिनका फायदा आने वाले समय में भावी पीढ़ियों को होगा। मुख्यमंत्री श्री नायब

सिंह सैनी भी अंत्योदय की भावना से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिन गांवों में आपसी भाईचारा मजबूत है वहां तरक्की भी अधिक हुई है। गांव का माहौल अछा रखना जरूरी है। उन्होंने लोगों से गांव में साफ-सफाई की ओर विशेष ध्यान देने की भी अपील की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश के आधार पर नौकरियां देने का समय बीत चुका है। मेरिट पर नौकरियां दी जा रही हैं। पुंडरी गांव में भी करीब 38 युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। नौकरी के लिए मेहनत जरूरी करनी पड़ती है। गांव की बेटियों को स्कूली शिक्षा अधूरी न छोड़नी पड़े इसलिए यहां के स्कूल का दर्जा बढाया गया।

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, पंचायती राज विभाग के एसडीओ जयभगवान व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राज्य में दो दिवसीय विशेष एस.आई.आर. शिविरों के दौरान 30 लाख से अधिक गणना प्रपत्र जमा : मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा

पिछले 18 दिनों में 1.30 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा कराए

चंडीगढ़, 12 जुलाई मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान के तहत पंजाब भर के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित दो दिवसीय विशेष शिविरों के दौरान 30 लाख से अधिक मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र (ई.एफ.) भरकर जमा कराए।

पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी.ई.ओ.) अनिंदिता मित्रा ने बताया कि ये विशेष शिविर 11 और 12 जुलाई, 2026 को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित किए गए। इन शिविरों के दौरान मतदाताओं ने अपने भरे हुए गणना प्रपत्र संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओ.) के पास जमा कराए।

मुख्यमंत्री ने संशोधित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली और ऑनलाइन आबकारी सेवाओं का किया शुभारंभ

- कहा , पारदर्शिता आएगी और राजस्व में होगी बढ़ोतरी
- विज़न –2047 , सीएम–अनाउंसमेंट तथा संकल्प–पत्र की घोषणाओं की भी समीक्षा की
- एकमुश्त निपटान योजना में टैक्स छूट का लाभ उठाने का किया आह्वान

चंडीगढ़ हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को राय के आबकारी प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए संशोधित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली और ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की शुरुआत की है। इन नई पहलों का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से पारदर्शिता को मजबूत करना, नियामक निरीक्षण में सुधार लाना, सरकारी राजस्व को सुरक्षित करना और व्यापार करने की सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग के विज़न -2047 की भी समीक्षा की। उन्होंने विभाग से संबंधित सीएम-अनाउंसमेंट तथा संकल्प-पत्र की घोषणाओं की भी प्रगति रिपोर्ट ली।

मुख्यमंत्री ने शराब के लिए क्यूआर कोड-आधारित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली का एक उन्नत संस्करण पेश किया है। इस प्रणाली के तहत डिस्टिलरी और बॉटलिंग से लेकर थोक और खुदरा बिक्री तक, शराब की हर बोतल की विजिट पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और उसकी विशिष्ट पहचान की जा सकेगी। यह व्यवस्था इन्वेंट्री की आवाजाही पर बेहतर नजर रखने, आबकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और अवैध शराब के प्रसार पर रोक लगाकर निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देगी। इसके अलावा, आबकारी विभाग को इस प्रणाली से पूरी आपूर्ति श्रृंखला की रीयल-टाइम निगरानी करने, कर चोरी और तस्करी के खिलाफ प्रवर्तन को मजबूत करने, डेटा-आधारित निर्णय लेने और राय के राजस्व को सुरक्षित करने में बड़ी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई यह तकनीक-आधारित पहल पारदर्शी प्रशासन, प्रभावी विनियमन और आबकारी राजस्व में निरंतर वृद्धि के लिए डिजिटल गवर्नेंस का उपयोग करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आबकारी नियामक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने 8 नई ऑनलाइन आबकारी सेवाएँ भी लॉन्च की हैं, जिससे अब विभिन्न लाइसेंसों और अनुमतियों के लिए ऑनलाइन और पेपरलेस सर्विस वितरण का दायरा बढ़ गया है। इन ऑनलाइन सेवाओं में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस (रु12-ष्ट) का अनुदान है। यह सर्विस सामाजिक और सार्वजनिक समारोहों जैसे कि कार्यक्रमों, संगीत कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और इसी तरह के अवसरों के लिए अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस को ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है। यह ऑनलाइन प्रणाली लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाएगी, अनुपालन के बोझ को कम करेगी और आवेदकों के लिए व्यापार करने की सुगमता को बढ़ाएगी। इसके साथ ही, मैरिज पैलेस और बैंक्वेट हॉल के वार्षिक पंजीकरण, विकृत स्पिरिट आउटलेट लाइसेंस (रु17), औद्योगिक और औषधीय स्पिरिट कब्जा परमिट (रु42 से रु42ष्ठ) और खुदरा शराब की दुकानों के समय विस्तार की अनुमति के लिए भी ऑनलाइन सेवाएँ शुरू की गई हैं। इनमें से प्रत्येक सर्विस को पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस वर्कफ्लो पर तैयार किया गया है, जिससे आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं, उसकी प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और 7 कार्य दिवसों की तय समय-सीमा के भीतर पोर्टल के माध्यम से मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं। स्वचालित प्रसंस्करण के कारण हर कदम पर मानवीय हस्तक्षेप कम होगा, जिससे यह पूरी प्रक्रिया बैंक्वेट हॉल संचालकों, औद्योगिक और औषधीय स्पिरिट उपयोगकर्ताओं, विकृत स्पिरिट विक्रेताओं और खुदरा लाइसेंसधारियों के लिए तेज, अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने आबकारी प्रशासन को आधुनिक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के विभाग के प्रयासों की सराहना की और इन नई प्रणालियों को पूरे राय में प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।

नशा केवल कानून-व्यवस्था नहीं, समाज, परिवार और राष्ट्र निर्माण का विषय, जनभागीदारी से बनेगा नशा मुक्त हरियाणा- मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि समाज, परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है। सरकार कानून बनाकर और पुलिस कार्रवाई कर नशे के कारोबार पर अंकुश लगा सकती है, लेकिन इस बुराई का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब पूरा समाज इसके विरुद्ध एकजुट होकर जन-आंदोलन खड़ा करे। उन्होंने कहा कि हरियाणा उदय अभियान के तहत सामुदायिक पुलिसिंग और जन-सहभागिता को मजबूत करते हुए प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को पंचकूला में हरियाणा उदय अभियान के तहत नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों को नशा विरुद्ध शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर देश आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है, जब देश और प्रदेश का युवा नशे से मुक्त होकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा का यह संकल्प केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करने वाला अभियान है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति, संस्था, सामाजिक संगठन, केमिस्ट, पुलिस अधिकारी अथवा नागरिक इस अभियान में सहयोग कर रहा है, वह भविष्य के सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त हरियाणा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह संवाद केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस संकल्प का उद्घोष है, जो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। यह ऐसे हरियाणा के निर्माण का अभियान है, जहां युवाओं की आँखों में राष्ट्र निर्माण का सपना होगा। उन्होंने इस अभियान से जुड़े सभी स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, केमिस्ट समुदाय, पुलिस अधिकारियों तथा जागरूक नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा ऐसी सामाजिक बुराई है, जो व्यक्ति को पतन की ओर ले जाती है। यह केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, परिवार, संस्कार और सामाजिक मूल्यों को भी तोड़ देता है तथा अंततः राष्ट्र की ऊर्जा को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और हरियाणा देश की सबसे ऊर्जावान भूमि है। प्रदेश के युवाओं ने खेल, शिक्षा, विज्ञान, उद्योग तथा अनेक क्षेत्रों में देश और दुनिया में हरियाणा का नाम रोशन किया है। ऐसे में यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में चला जाए तो यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की हार होगी।

प्रदेश की चिकित्सा सुविधाओं में किया जा रहा है निरंतर विस्तार- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

चंडीगढ़, प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने आज भिवानी में महम रोड पर स्थित जगन्नाथ सर्राफ वेलनेस सेंटर एवं हरियाणा योग प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित फिजियोथैरेपी सेंटर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रदेश को और अधिक बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से भिवानी और महेंद्रगढ़ जिला के कोरियावास को नए मेडिकल कॉलेज की सौगात देंगे, जो स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। यह योग दिवस स्वास्थ्य रहने के लिए प्रकृति की गोद में जाने का एक संदेश है। नियमित रूप से योगासन प्राणायाम कर हम स्वस्थ रह सकते हैं और बुजुर्ग अवस्था में आने वाली सामान्य बीमारियों से बचा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पिछले करीब पौने दो साल के दौरान प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया है। प्रदेश में 1100 चिकित्सकों की भर्ती की गई है। उनका प्रयास है कि ग्रामीण अंचल में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सामान्य अस्पताल जैसी चिकित्सा सुविधा मिलें ताकि ग्रामीणों और विशेष कर महिलाओं को चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। कार्यक्रम के दौरान भिवानी के विधायक श्री घनश्याम सर्राफ, बवानी खेड़ा के विधायक श्री कपूर सिंह वाल्मीकि, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष श्री शंकर लाल धूपड़, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गैंगस्टरों ते वार का 173वां दिन: पंजाब पुलिस की 1074 स्थानों पर छापेमारी; 911 काबू

– पुलिस टीमों ने 510 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की

– लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गोपनीय रूप से गैंगस्टरों की सूचना दे सकते हैं

चंडीगढ़, 12 जुलाईः राज्य में चलाए जा रहे अभियान 'गैंगस्टरों ते वार' के 173वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे प्रदेश में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 1074 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान–पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से छेड़ी गई निर्णायक मुहिम–का शुभारंभ 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा किया गया था। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 173वें दिन पुलिस टीमों ने 6 हथियार बरामद करते हुए 911 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

इसके साथ ही अभियान शुरू होने के बाद से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 47,685 हो गई है। इसके अतिरिक्त पुलिस ने 510 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की। अभियान के दौरान 19 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया। जनता एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के संबंध में गोपनीय रूप से सूचना दे सकती है तथा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी भी साझा कर सकती है। इस बीच, पंजाब पुलिस ने नशों के खिलाफ चलाए जा रहे 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के 498वें दिन भी कार्रवाई जारी रखते हुए आज 69 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 829 ग्राम हेरोइन, 565 नशीली गोलियां तथा 5,250 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही पिछले 498 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 73,505 हो गई है। नशामुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 13 व्यक्तियों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास उपचार कराने के लिए भी प्रेरित किया।

खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत से खेलों में देश का अग्रणी राय बना हरियाणा : खेल मंत्री गौरव गौतम

अंडर-23 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप से निकलेंगे भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

चंडीगढ़, हरियाणा के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत से हरियाणा खेलों में देश का अग्रणी राय बन गया है। प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी राष्टीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

खेल मंत्री आज रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित अंडर-23 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा और विशेष रूप से रोहतक के लिए गौरव की बात है कि इस प्रतिष्ठित राष्टीय प्रतियोगिता का आयोजन यहां किया जा रहा है। खेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, ओलंपिक सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और देश का गौरव बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता पूरी पारदर्शिता और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि का भुगतान सुनिश्चित कर चुकी है तथा खेल अवसंरचना को और मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 114 करोड़ रुपये की लागत से 42 नए स्टेडियमों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा कि जिन स्टेडियमों में रखरखाव अथवा वातानुकूलन संबंधी कार्य चल रहे हैं, उन्हें भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर, भारतीय कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष एम फोनी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बाढ़ नियंत्रण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 25 जुलाई तक सभी लंबित कार्य पूरे करें अधिकारी- सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी

चंडीगढ़, हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राय में बाढ़ नियंत्रण कार्यों की प्रगति तथा वर्तमान बाढ़ स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। इस दौरान प्रदेश के सभी मंडलों में चल रहे बाढ़ नियंत्रण कार्यों, जल निकासी व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों की तैयारियों तथा विभागीय कार्यों की प्रगति का विस्तार से आकलन किया गया।

मंत्री ने अधिकारियों को दिए कि मानसून के मद्देनज़र बाढ़ नियंत्रण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं, ताकि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में जन-धन की हानि की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण से संबंधित 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष लगभग 18 प्रतिशत कार्य तेजी से प्रगति पर हैं, जिन्हें 31 जुलाई, 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं करीब 2 प्रतिशत कार्य पुनः निविदा (री-टेंडरिंग) एवं खरीद प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी कारणों के चलते अतिरिक्त समय ले सकते हैं।

इस पर सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष सभी कार्यों को 25 जुलाई, 2026 तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान बाढ़ नियंत्रण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही अथवा कार्यों में अनावश्यक देरी सामने आती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन एजेंसियों ने निर्धारित समय सीमा के बावजूद कार्यों में देरी की है अथवा अब तक कार्य प्रारंभ नहीं किया है, उनके विरुद्ध भी नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अंबाला एवं हिसार मंडलों की स्थिति पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। मंत्री श्रुति चौधरी ने दोनों मंडलों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूरी सतर्कता बरतें तथा संवेदनशील स्थानों पर निरंतर निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जल निकासी व्यवस्था, तटबंधों, पंपिंग स्टेशनों तथा अन्य बाढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं को पूरी तरह क्रियाशील रखा जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

प्रदेश के सभी नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सहयोग की अपील

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों व निर्वाचन कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण किया जा रहा है। ऐसे में सभी मतदाता कार्य के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों से पूरा सहयोग करें। निर्वाचन कार्य में बाधा डालने अथवा सरकारी कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता एवं कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयास को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता एवं मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 14 जुलाई तक गणना प्रपत्र जमा करवाने की आखिरी तारीख है। ऐसे में सभी मतदाता समय रहते अपना एसआईआर फॉर्म बीएलओ के पास जमा करवाएं। दरअसल, 10 जुलाई को ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-73, गांव नाथूसरी चौपटा में निर्वाचन कार्य के दौरान ड्यूटी पर तैनात बीएलओ एवं उनके सहायक के साथ कुछ व्यक्तियों द्वारा अभद्र व्यवहार करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला संज्ञान में आया। सूचना मिलते ही जिला निर्वाचन प्रशासन एवं पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

मानसून की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की व्यापक समीक्षा, प्रदेशभर में प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मानसून के मद्देनजर प्रदेशभर में जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम तथा संभावित बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की शुक्रवार देर रात व्यापक समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों, मंडलायुक्तों तथा सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, प्रदेश में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में जल निकासी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करें तथा फील्ड स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

सक्षिप्त समाचार

18 गलियां जलमग्न, 300 से ज्यादा घरों में घुसा पानी; किराड़ी के सूरत विहार में बाढ़ जैसे हालात

नईदिल्ली, एजेंसी। किराड़ी की शर्मा कालोनी के बाद अब सूरत विहार कालोनी में जलभराव

ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। कालोनी की 23 गलियों में से 18 गलियां जलमग्न हैं, इन गलियों में लगभग 700 मकानों में से 300 से अधिक घरों में एक से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। घर में पानी घुसने के कारण 30-40 परिवार पलायन कर अन्य क्षेत्रों में चले गए। मंगलवार को हुई वर्षा के बाद सूरत विहार पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। कालोनी की मुख्य सड़कों से लेकर गलियों व घरों तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। पांच दिनों से कालोनीवासियों का रहना मुश्किल हो चुका है। जलभराव के कारण कालोनी में प्रवेश व निकास के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं। स्कूल न जा पाने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जो लोग घरों से निकल रहे है, उन्हें दो से ढाई फीट पानी की बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। कालोनी में जलनिकासी की व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है। जिसके कारण कालोनी में पानी का स्तर कम नहीं हो रहा। लंबे समय से जलभराव के कारण बदबू व मच्छरों की भरमार के कारण बीमारी की खतरा भी बढ़ गई है।

कालोनी नीचे होने के कारण ठप पड़ी जलनिकासी

मुबारकपुर रोड के निर्माण के बाद कालोनी का लेवल लगभग एक फीट से अधिक नीचे होने के कारण जलनिकासी ठप पड़ चुकी है। दूसरी ओर कालोनी के साथ खाली मैदान घरों का पानी निकल जाया करता था। लेकिन डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) के खाली जमीन पर लैंडफिल साइट के कचरे से भराव के दिया गया। ऐसे में कालोनी का पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं है। कालोनी की अधिकतर गलियों में पानी भरा है और 50 प्रतिशत घरों में पानी भर गया है। जलनिकासी का कोई साधन नहीं है। गंदे पानी की वजह चर्मरोग फैल रहा है।

एसआईआर अभियान में बीएलओ की बढ़ीं मुश्किलें, लोगों का असहयोग और बारिश पड़ रही भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) इन दिनों कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

घर-घर जाकर मतदाताओं तक गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फार्म) पहुंचाने, दस्तावेजों का सत्यापन करने और फिर उनका डिजिटलीकरण करने के दौरान उन्हें लोगों के असहयोग, बदले हुए पते, जलभराव और समय सीमा के दबाव जैसी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

सुरक्षित जगह न मिलने से खो रहे फॉर्म

एक बीएलओ ने नाम न उजागर करने पर बताया कि वह पहले थैले में फार्म लेकर प्रत्येक घर तक फार्म पहुंचा रहे है और दोबारा जाकर भरे हुए फार्म भी वापस ले रहे है। क्योंकि उन्हें फार्म रखने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं दी गई है। इस कारण कुछ फार्म खो भी गए है।

ऐसे में उन्हें आनलाइन फार्म भरने की सलाह दे रहे है। दूसरा अधिकतर लोग फार्म गलत भर रहे है और बहस भी कर रहे है। इस समय सभी बीएलओ के लिए सभी दस्तावेजों का डिजिटल माध्यम से अपलोड करना और लोगों को समझाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहे है। हालांकि, उन्हें यह अतिरिक्त काम नियमित जिम्मेदारियों के साथ करना पड़ रहा है।

वहीं, ओखला में तैनात एक अन्य बीएलओ ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि कई बार लोग फार्म तो ले लेते हैं, लेकिन रसीद पर हस्ताक्षर करने से मना कर देते हैं। समझाने पर भी कुछ लोग असहयोग कर रहे हैं, जिससे अभियान में कठिनाई आ रही है।

मयूर विहार के एक बीएलओ के अनुसार दिन में अधिकांश लोग घर पर नहीं मिलते। ऐसे में एक ही पते पर दो-तीन बार जाना पड़ता है। कई बार लोग सहयोग करने के बजाय नाराजगी जताते हैं, लेकिन हर पात्र मतदाता तक पहुंचना उनकी जिम्मेदारी है। बीएलओ का कहना है कि अनधिकृत कालोनियों और सरकारी आवासों में सबसे अधिक दिक्कत होती है।

हर साल 27 शोधार्थियों का होगा चयन

दिल्ली के इतिहास और विरासत पर शोध के लिए शुरू हुई दो नई फेलोशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इतिहास और विरासत के वैज्ञानिक अध्ययन, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से रेखा गुप्ता सरकार 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' और 'पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप' शुरू कर रही है।

इससे राजधानी के इतिहास को शोध आधारित और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इन दोनों फेलोशिप को दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है।

हर साल नियुक्त होंगे 15 फेलो: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप का उद्देश्य अभिलेखों पर उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना, अभिलेख प्रबंधन को मजबूत बनाना, ऐतिहासिक रिकार्ड के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करना और ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच को और आसान बनाना है।

इसके अंतर्गत रिकार्ड प्रबंधन, अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण व परिरक्षण, रिकार्ड के डिजिटलीकरण, सूचना व डेटा के प्रसार, माइक्रो-फिल्मिंग एवं रिप्रोग्राफी, शोध एवं प्रकाशन तथा उर्दू और फारसी जैसी भाषाओं से जुड़े विषयों पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष कुल 15 फेलो नियुक्त किए जाएंगे। जूनियर फेलो को प्रतिमाह 25 हजार और सीनियर को

50 हजार रुपये तक फेलोशिप दी जाएगी। इसकी अवधि एक वर्ष की होगी।

पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप का उद्देश्य दिल्ली के समृद्ध पुरातात्विक स्थलों और स्मारकों का अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन करना है।

इस योजना के माध्यम से दिल्ली के कम चर्चित ऐतिहासिक स्मारकों के इतिहास, पुरातत्व, वास्तुकला और संरक्षण से जुड़े शोध को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे विरासत संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

सिर्फ कोर्स नहीं, सुविधाओं को देखकर चुनें कॉलेज

दिव्यांग छात्रों के लिए खास व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिला लेने वाले दिव्यांग (पीडब्ल्यूबीडी) विद्यार्थियों के लिए अब केवल मनपसंद कोर्स या सीट ही नहीं, बल्कि कालेज की सुविधाएं भी भविष्य तय करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

नई शिक्षा नीति के तहत समावेशी शिक्षा पर बढ़ते जोर के बीच विश्वविद्यालय ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आरक्षण, फीस में छूट, हास्टल सहायता और आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण संसाधनों की व्यापक व्यवस्था की है।

ऐसे में प्रवेश से पहले कालेज की एक्सेसिबिलिटी और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेना विद्यार्थियों के लिए उतना ही जरूरी है, जितना सही कोर्स चुनना।

डीयू की प्रवेश डीन प्रो. हनीत गांधी का कहना है कि छात्रों को केवल कटआफ या कालेज की रैंकिंग देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उन्हें यह भी देखना चाहिए कि कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, रिसोर्स सेंटर, पुस्तकालय, सहायक तकनीक और अकादमिक सहायता जैसी सुविधाएं किस स्तर की हैं।

विश्वविद्यालय का समान अवसर सेल दिव्यांग विद्यार्थियों को डिजिटल स्टडी मैटेरियल, नोट्स, रीडर, स्क्राइब, काउंसलिंग, छात्रवृत्ति संबंधी मार्गदर्शन और परीक्षा में अतिरिक्त समय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग और सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं के मामले में लेडी श्रीराम कालेज (एलएसआर) सबसे आगे माना जाता है। यहां स्थित स्वावलंबन रिसोर्स सेंटर में ब्रेल डिस्प्ले, स्क्रीन रीडर साफ्टवेयर, ई-टेक्स्ट, आडियो बुक्स और अन्य आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध हैं। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को इन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। किरोड़ीमल

कालेज ने प्रोजेक्ट समावेश शुरू किया है। इसके तहत स्वयंसेवी छात्र दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षाओं तक पहुंचने, नोट्स उपलब्ध कराने, पुस्तकालय के उपयोग और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करते हैं। कालेज समय-समय पर समावेशी शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है। इसके अलावा मिरांडा हाउस, हिंदू कालेज, हंसराज कालेज, श्री वेंकटेश्वर कालेज, रामजस कालेज, दौलत राम कालेज, शहीद भगत सिंह कालेज और देशबंधु कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, व्हीलचेयर, टैक्टाइल पाथ, रेलिंग और आरक्षित पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिकांश कालेजों के पुस्तकालयों में ई-कंटेंट और डिजिटल संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीयू में यूजी और पीजी के प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5 प्रतिशत सीटें पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। आधार पर तय होती है। उदाहरण के तौर पर 40 सीटों वाले कोर्स में करीब 2, 60 सीटों में 3, 80 सीटों में 4 और 100 सीटों वाले कोर्स में लगभग 5 सीटें पीडब्ल्यूबीडी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होती हैं। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से भी दिव्यांग छात्रों को बड़ी राहत देता है। उन्हें कुल फीस में 75 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। कई पाठ्यक्रमों में ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क माफ कर दिए जाते हैं। सामान्य तौर पर छात्रों को केवल प्रवेश शुल्क, डीयूएसयू शुल्क और पहचान पत्र शुल्क का भुगतान करना होता है।

एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं आवेदन

बैंकिंग में एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी को बढ़ावा, आईआईटी दिल्ली-नेटवेस्ट ने शुरू किया प्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले वर्षों में बैंकिंग की तस्वीर केवल मोबाइल ऐप, एटीएम या आनलाइन लेनदेन से नहीं बदलेगी, बल्कि इसकी नई दिशा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप आधारित नवाचार तय करेंगे।

इसी सोच को साकार करने के लिए नेटकवेस्ट ग्रुप और आइआइटी दिल्ली के फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ट्रांसफर (फिट) ने नेटकवेस्ट फिनटेक फ्रंटियर प्रोग्राम (एनएफएफपी) की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में हो रहे शोध को सीधे बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ते हुए प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाना है।

भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत होगा तकनीकी सहयोग- शनिवार को आइआइटी दिल्ली में अनावरण किए गए इस कार्यक्रम के तहत संस्थान के शोधकर्ता, फैकल्टी और स्टार्टअप्स नेटकवेस्ट ग्रुप की वास्तविक बैंकिंग चुनौतियों पर काम करेंगे। एआइ, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट और क्वांटम तकनीक जैसे क्षेत्रों में ऐसे समाधान विकसित किए जाएंगे, जिन्हें सीधे बैंकिंग सेवाओं में लागू किया जा सके। कार्यक्रम भारत और ब्रिटेन के बीच तकनीकी सहयोग को भी नई मजबूती देगा। कार्यक्रम दो प्रमुख ट्रैक में संचालित होगा। रिसर्च ट्रांसलेशन ट्रैक के तहत आइआइटी दिल्ली के शोध समूह बैंकिंग क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं और डेटा पर शोध करेंगे। वहीं स्टार्टअप इनोवेशन ट्रैक के माध्यम से टेक्नोलाजी रेडीनेस लेवल (टीआरएल) 8 वाले स्टार्टअप्स को अपने उत्पादों का परीक्षण, पायलट प्रोजेक्ट और व्यावसायिक विस्तार का अवसर मिलेगा। सफल नवाचारों को पेटेंट के

साथ ब्रिटेन के बैंकिंग बाजार तक पहुंचाने में भी सहयोग दिया जाएगा। नेटकवेस्ट ग्रुप की कंट्री हेड (भारत) और सीओओ रुचिका पनेसर ने कहा कि भविष्य की बैंकिंग मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम पर आधारित होगी, जहां उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थान मिलकर वास्तविक समस्याओं के समाधान तैयार करेंगे। वहीं आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान की शोध क्षमता को वैश्विक बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। इससे भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीक प्रदर्शित करने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के पहले बैच के लिए आवेदन एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं। रंगन बनर्जी का कहना है कि यह पहल न केवल बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को नई गति देगी, बल्कि भारत को वैश्विक फिनटेक अनुसंधान और समाधान विकसित करने के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यमुना सफाई में जनता की होगी भागीदारी, दिल्ली में डीडीए शुरू करेगा 'यमुना संवाद'

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई में आम नागरिकों को भागीदार बनाने पर बल दिया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यमुना संवाद कार्यक्रम के माध्यम से दिल्लीवासियों और विशेषज्ञों का सुझाव लेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यमुना संवाद शुरू करने से पहले कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस वर्ष सितंबर और अगले वर्ष जनवरी में यमुना संवाद के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापक विचार-विमर्श कर रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं, इसकी तैयारी के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। पहली कार्यशाला में सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ, विज्ञानिक, शहरी नियोजक, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, तकनीकी संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने बाढ़ के मैदान के अनुकूल योजना और घाटों के विकास पर चर्चा की। इस तरह के आधारभूत ढांचा के निर्माण पर बल दिया गया जो प्राकृतिक बाढ़ चक्र से तालमेल बिठा सकें। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल घाट निर्माण पर बल दिया। जल्द ही प्रकृति-आधारित

समाधान, जल गुणवत्ता और जल निकासी, वित्तपोषण माडल और शासन जैसे विषयों पर दो और हितधारक कार्यशालाएं आयोजित होंगी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू यमुना बाढ़ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद डीडीए अधिकारियों के साथ बैठक कर दिल्ली के निवासियों को विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ नदी के कायाकल्प में सक्रिय रूप से भागीदार बनाने का निर्देश दिया था। उपराज्यपाल का कहना है कि नदी के बाढ़ क्षेत्र आम लोगों के लिए सुलभ हैं। उनकी मदद से ही इसका जीर्णोद्धार एवं प्रभावी रखरखाव हो सकता है। इसके बाद डीडीए ने यमुना संवाद की रूपरेखा तैयार की है ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और संस्थानों को एक साथ लाकर नदी जीर्णोद्धार और इसके तट के विकास में वैश्विक और देश की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सके।

दिल्ली में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 16.50 लाख की लूट, पिस्तौल दिखाकर छीना नकदी से भरा बैग

लूट के विरोध पर तानी पिस्तौल, सीसीटीवी फुटेज हो रही प्रसारित

नईदिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर थानाक्षेत्र की राजगढ़ कालोनी में शुक्रवार शाम स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से 16.50 लाख रुपये की लूट को अंजाम दे दिया। बदमाश कंपनी आफिस के गेट पर ही नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज प्रसारित हो रही है जिसमें बदमाश स्कूटी से आते और पिस्तौल तानकर लूट करते दिखाई दे रहे हैं।

संदीप दुआ राजगढ़ में एसडी एंटरप्राइजेज के नाम से फाइनेंस कंपनी चलाते हैं। उनका कर्मचारी आशीष सरीन विभिन्न स्थानों से कलेक्शन कर शुक्रवार शाम को कंपनी आफिस पहुंचा था।

वह बाइक से उतरा ही था कि पीछे से एक स्कूटी पर दो बदमाश आए और उसका बैग लूटने का प्रयास करने लगे। उसने विरोध किया तो हेलमेट लगाए लुटेरे ने

पिस्तौल आशीष पर तान दी। घबराकर आशीष ने बैग छोड़ दिया।

इसके बाद बदमाश स्कूटी पर बैठकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपितों की पहचान का प्रयास शुरू कर दिया है। डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश की जा रही है। वारदात में किसी जानकार का हाथ हो सकता है। इसके अलावा बदमाशों ने आशीष की रेकी की थी या नहीं यह भी देखा जा रहा है। जल्द ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शाम चार बजकर नौ मिनट पर जैसे ही आशीष अपने आफिस पहुंचे पीछे से लाल स्कूटी पर आए बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर लूट को अंजाम दिया।

न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जनपद-एटा

एम0ए0सी0 नं0-316 सन 2018

श्री राजेश कुमार उम्र लगभग 57 साल पुत्र श्री मेवाराम निवासी खैरपुरा, परगना आजमनगर, तहसील अलीगंज, जिला एटा ।

बनाम

1. उत्तर प्रदेश राज्य सडक़ परिवहन निगम टेड़ी कोठी लखनऊ द्वारा डिपो इंचार्ज उ0प्र0 राज्य सडक़ परिवहन निगम एटा ।
2. पुष्पेन्द्र सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र श्री दयाराम निवासी मुरहर्रा शमशाबाद जिला फर्रुखाबाद ड्राइवर रोडवेज ।
3. मेसर्स गर्ग रोड लाइन्स गुड कैरियर 6/2016, म0नं0 3208/46 ग्राम एवं पोस्ट झरसा, जनपद गुड़ग्राम गांव हरियाणा-122001 मालिक ट्रक (प्रकाशन के माध्यम से तामील होनी है)

हरगाह/वादीगण ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 20.07.2026 वक्त 10 बजे असलातन या मार्फत वकील के जो हालात मुकदमा से वाकिफ किया गया हो जो ऐसे सवालों का जवाब दे सके कुल मुकदमा का जवाब दे सके या उसके साथ कोई शख्स हो तो ऐसे सवालों का जवाब दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा को करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज का आप उसी रोज पेश करें जिन पर कि जवाबदेही के दस्तावेज पेश करना चाहते हो आपको इत्तला दी जाती है कि अगर व रोज मशकूर न हो तो आपकी गैर हाजिरी में और फैसला होगा।

व शख्स मेरे और मुहर अदालत से आज व तारीख 15 माह 06 सन 2026 ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से
यशोधरेन्द्र चन्द्र जैन
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय एम. ए. सी. टी, एटा ।

न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जनपद-एटा

एम0ए0सी0टी0 नं0-315 सन 2018

1. श्रीमती रेखा देवी उम्र लगभग 45 साल पत्नी स्व0 श्री बृजेश कुमार शाक्य
2. कुमारी सान्या उम्र लगभग 15 साल
3. कुमारी रौनक उम्र लगभग 13 साल नाबालिग पुत्रियाँ व संरक्षिका माता हकीकी रेखा देवी
4. मास्टर हनी सिंह उम्र लगभग 11 साल नाबालिग पुत्र
5. श्री मेवाराम उम्र लगभग 82 साल पुत्र श्री कोमिल सिंह (पिता)
6. श्रीमती चम्पा देवी उम्र लगभग 77 साल पत्नी श्री मेवाराम (माता) समस्त निवासीगण ग्राम खैरपुरा, परगना आजमनगर, तहसील अलीगंज, जिला एटा ।

बनाम

1. उत्तर प्रदेश राज्य सडक़ परिवहन निगम टेड़ी कोठी लखनऊ द्वारा डिपो इंचार्ज उ0प्र0 राज्य सडक़ परिवहन निगम एटा ।
2. पुष्पेन्द्र सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र श्री दयाराम निवासी मुरहर्रा शमशाबाद जिला फर्रुखाबाद ड्राइवर रोडवेज।
3. मेसर्स गर्ग रोड लाइन्स गुड कैरियर 6/2016, मकान नं0 3208/46 ग्राम एवं पोस्ट झरसा, जनपद गुड़ग्राम हरियाणा-122001 मालिक ट्रक (प्रकाशन के माध्यम से तामील होनी है)

हरगाह/वादीगण ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है । लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 20.07.2026 वक्त 10 बजे अदालतन या मार्फत वकील के जो हालत मुकदमा से वाकई वाकिफ किया गया हो जो ऐसे सवालों का जवाब दे सके कुल मुकदमा का जवाब दे सके या उसके साथ कोई शख्स हो तो ऐसे सवालों का जवाब दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा को करे और आपको नोटिस है कि जुमला दस्तावेजों का आप उसी रोज पेश करें जिन पर कि जवाबदेही के दस्तावेज पेश करना चाहते हों । आपको इत्तला दी जाती है कि अगर ये रोज मशकूर न हों तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में और फैसला होगा ।

व सख्स मेरे और मुहर अदालत से आज व तारीख 15 माह 06 सन 2026 ई0 को जारी किया गया ।

आज्ञा से
यशोधरेन्द्र चन्द्र जैन
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय एम. ए. सी. टी, एटा ।

संपादकीय

पहली ही बारिश में थम गई दिल्ली, आखिर हर साल क्यों दोहराती है वही कहानी?

सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छाता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं। दिल्ली में मूसलाधार बारिश के बाद जलभराव से प्रमुख सड़कें डूबीं। राजधानी की मानसूनी चुनौतियों को दर्शाते हुए घुटनों तक पानी में फंसे वाहन और आवागमन के लिए जूझते लोग। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है।इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है।यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं!कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि लोगों को बारिश में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिप[वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही। महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा।

जंगलों से गुम होती महुआ की विरासत, बदलती खेती और सड़क चौड़ीकरण ने बढ़ाई चिंता

(आदित्य कुमार यादव)

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। मध्य भारत के जंगलों में पिछले कई वर्षों के अनुभव बताते हैं कि महुआ के वृक्ष धीरे-धीरे बदल रहे हैं, लेकिन यह बदलाव अक्सर आँकड़ों और दस्तावेजों से ओझल रह जाता है। वन से जुड़े विशेषज्ञ गाजीपुर, बलिया और जौनपुर जैसे जिलों में इसे बारीकी से महसूस करते रहे हैं। गांवों की अर्थव्यवस्था में महुआ सिर्फ एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक जीवनरेखा है, खासकर उन परिवारों के लिए जो जंगलों पर निर्भर हैं।

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। इसके बीजों से निकलने वाला तेल रसोई और औषधि का हिस्सा होता है, जबकि महुआ के पेड़ की घनी छांव पशुओं के लिए आराम की जगह बनाती है, लेकिन अब यह मौसमी दृश्य धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है।

महुआ केवल एक वन वृक्ष नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शुष्क वन पारिस्थितिकी का आधार है। इसके फूल भोजन, पेय और पशु चारे के रूप में उपयोग होते हैं, जबकि बीजों से निकला तेल खाद्य, औषधीय और घरेलू उपयोग में आता है। इसकी पत्तियां पारंपरिक पत्तल-दोने बनाने में काम आती हैं और घनी पत्तियां गर्मी में पशुओं तथा वन्यजीवों को छाया प्रदान करती हैं। कृषि के सुस्त मौसम में इसके फूल मधुमक्खियों जैसे परागणकों के लिए भी भोजन के महत्त्वपूर्ण स्रोत होते हैं।

महुआ की अहमियत केवल इसके प्रत्यक्ष उपयोगों तक सीमित नहीं है। यह शुष्क वनों की पारिस्थितिकी, स्थानीय जैव विविधता और वन-आधारित आजीविका का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए यह केवल आय का स्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं, स्थानीय ज्ञान और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ वृक्ष है। इसलिए महुआ का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे सामाजिक और पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का सवाल है।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिपक्व वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही।

महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा। देरी से पड़ने वाली सर्दियों की बारिश और लंबी सूखा अवधियों ने फूलों को या तो कम कर दिया है या फिर उनके खिलने का समय ही बदल गया है। नतीजतन, फूल बीनने वाले परिवारों के लिए यह मौसम पहले जितना भरोसेमंद नहीं रह गया है।

यह दबाव केवल जंगलों तक सीमित नहीं है। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कृषि परिदृश्यों में बिखरे हुए बड़े पेड़ों में गिरावट दर्ज की गई है। अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 2010-11 में मौजूद बड़े कृषि-वृक्षों में लगभग 11.2 प्रतिशत वृक्ष 2018 तक गायब हो चुके थे। इसके बाद 2018 से 2022 के बीच 50 लाख से अधिक बड़े वृक्ष और लुप्त हो गए। इसे शोधकर्ताओं ने बदलती कृषि पद्धतियों से जोड़कर देखा है। ग्रामीण विकास के तहत सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान महुआ के सैकड़ों पुराने पेड़ उखाड़ दिए गए, जो दशकों से ग्रामीण सड़कों की शोभा बढ़ा रहे थे।

इससे भी चिंताजनक सांस्कृतिक अंतराल है। एक समय था जब गांव के चौपालों, चरागाहों और खेतों की मेड़ों पर महुआ के पेड़ दिखाई देते थे। इसकी पत्तियों से पत्तल बनाई जाती थी, जो सामुदायिक भोज और शादियों का अभिन्न हिस्सा थीं। मगर अब प्लास्टिक की प्लेटों ने पत्तलों की जगह ले ली है, जिससे एक ओर आजीविका प्रभावित हुई है, तो दूसरी ओर महुआ की सांस्कृतिक पहचान भी फीकी पड़ गई है। बुजुर्ग अब भी याद करते हैं कि कैसे एक पीढ़ी पहले खेतों के किनारे महुआ के वृक्षों की कतारें होती थीं, जो अब नजर नहीं आतीं।

कुछ राज्यों में संगठित खरीद और मूल्य-वर्धन योजनाओं से महुआ संग्रह करने वालों को लाभ तो हुआ है, लेकिन प्रसंस्करण और बाजार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी आर्थिक क्षमता का पूरा लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुंच पाया है। क्षेत्रीय अनुभव बताते हैं कि बहुत से सरल उपाय महुआ के संरक्षण में मदद कर सकते हैं। उन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, जहां यह प्रजाति आम है, साथ ही पेड़ों की आयु संरचना और बीजों की जीवित रहने की दर पर नजर रखना आवश्यक है। गांव के स्तर पर फूल बीनने के मौसम में जमीन पर आग लगाने पर नियंत्रण जरूरी है। इससे विशेष रूप से मानसून के शुरुआती महीनों में, जब नए पौधे निकलते हैं, तब इनके जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

सबसे अहम है सामुदायिक भागीदारी। जब लोगों को समझाया जाता है कि पौधों की रक्षा करना क्यों जरूरी है, तो वे इसे अपना लेते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से आज के पौधरोपण अभियानों में अक्सर तेजी से बढ़ने वाली या फल देने वाली प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाती है। महुआ के पौधे शायद ही मांगे जाते हैं, जिससे स्थानीय नर्सरियों में इनकी उपलब्धता न के बराबर हो जाती है। दो मत नहीं कि सरकारी नर्सरियों में महुआ को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। महुआ के क्षरण के पीछे कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलवायु परिवर्तन से फूल आने के समय में बदलाव, अत्यधिक चराई, अनियंत्रित मौसमी आग, भूमि-विघटन, सड़क चौड़ीकरण, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन तथा महुआ पौधों के सीमित रोपण जैसे अनेक कारक मिलकर इसकी नई पीढ़ी को कमजोर कर रहे हैं। सहायक प्राकृतिक पुनरुद्धार, क्षीण हिस्सों में संवर्धन रोपण और कृषि-वानिकी प्रणालियों में महुआ को शामिल करने से मौजूदा पेड़ों पर दबाव कम किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सौ वर्ष से अधिक पुराने विरासत वृक्षों के रखरखाव की जो पहल शुरू हुई है, वह वास्तव में महुआ संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। पारिस्थितिकीय गिरावट कभी नाटकीय रूप से नहीं होती। पेड़ अचानक नहीं मिटते। वे धीरे-धीरे ढल जाते हैं, जब उनकी अगली पीढ़ी लड़खड़ाने लगती है। इसलिए महुआ के भविष्य की सुरक्षा न केवल एक पारिस्थितिकीय चुनौती है, बल्कि आजीविका का सवाल भी है। यदि समय रहते निगरानी, सामुदायिक सहयोग और संस्थागत समर्थन मिल जाए, तो यह अनमोल वृक्ष भारत के सूखे जंगलों में फिर से पनप सकता है।

रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों पर पसरा सन्नाटाः क्या इंटरनेट युग ने छीन ली पढ़ने की संस्कृति?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन के केंद्र नहीं रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के भी प्रतीक रहे हैं। किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक–सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या इस डिजिटल सुविधा ने मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं की आवश्यकता को कम कर दिया है? रेलवे स्टेशनों के सूने पड़े बुक स्टॉल इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं।

एक समय था जब धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, सारिका, नवनीत, रविवार, हंस, सरिता, मुक्ता, गृहशोभा, वनिता, मेरी सहेली, प्रतियोगिता दर्पण, चंदामामा, मधु मुस्कान, मायापुरी, मनोहर कहानियाँ, रीडर्स डाइजेस्ट, इंडिया टुडे और आउटलुक जैसी पत्रिकाओं की नई प्रतियों का पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉल इन पत्रिकाओं के सबसे बड़े बिक्री केंद्र होते थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपनी रुचि के अनुसार पत्रिकाएँ खरीदते थे। बच्चों के लिए कॉमिक्स, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री, महिलाओं के लिए गृह और परिवार से जुड़ी पत्रिकाएँ तथा साहित्य प्रेमियों के लिए उपन्यास और कहानी संग्रह आसानी से उपलब्ध रहते थे। यह केवल व्यापार नहीं था, बल्कि पढ़ने की एक जीवंत संस्कृति थी।

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अनेक प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ बंद हो चुकी हैं। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन सीमित हो गया है। जिनका प्रकाशन जारी भी है, उनकी प्रतियाँ पहले की तुलना में बहुत कम छपती हैं। पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि अब यात्रियों की पहली पसंद पुस्तक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अधिकांश लोग किताबों की अलमारी की ओर देखने के बजाय अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट को माना जाता है। इंटरनेट ने ज्ञान और सूचना को लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले किसी विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय जाना पड़ता था या पुस्तक खरीदनी पड़ती थी। आज वही जानकारी मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध है। हजारों पुस्तकें पीडीएफ रूप में उपलब्ध हैं। किंडल और अन्य ई-बुक प्लेटफॉर्म ने पुस्तक पढ़ने के तरीके को बदल दिया है। ऑडियोबुक ने उन लोगों के लिए भी पढ़ने का विकल्प उपलब्ध कराया है जिनके पास समय कम है। इस दृष्टि से देखा जाए तो पढ़ने की आदत समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसका माध्यम बदल गया है।

लेकिन यह आधा सच है। वास्तविक चिंता पढ़ने के माध्यम से अधिक पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर है। डिजिटल माध्यम पर उपलब्ध अधिकांश सामग्री त्वरित उपभोग के लिए तैयार की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता का ध्यान अधिक समय तक किसी एक विषय पर टिकने नहीं देते। रील्स, शॉर्ट वीडियो और छोटे-छोटे पोस्ट लोगों को लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर ले जाते रहते हैं। परिणामस्वरूप गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती जा रही है।

मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि लगातार बदलती डिजिटल सामग्री मनुष्य की एकाग्रता को प्रभावित करती है। पहले लोग एक उपन्यास या पुस्तक को कई दिनों तक पढ़ते थे। अब कुछ मिनटों से अधिक समय तक एक ही विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होता जा रहा है। सूचना की मात्रा बढ़ी है, लेकिन ज्ञान की गहराई कम होती दिखाई देती है। यही कारण है कि पढ़ने और देखने के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। वीडियो देखना और पुस्तक पढ़ना दो अलग-अलग मानसिक प्रक्रियाएँ हैं।

3 देशों से भारत के लिए आखिर क्या लाए मोदी?

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। करीब एक सप्ताह के विदेश दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब स्वदेश लौट रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता कि वह केवल तीन देशों की यात्रा पूरी करके लौटे हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि वह दुनिया के सामने नए भारत की ताकत, उसकी बढ़ती हैसियत और उसके उज्ज्वल भविष्य का दमदार परिचय देकर लौटे हैं। हम आपको बता दें कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के दौरान मोदी ने तीनों देशों के साथ रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम समझौते किए। साथ ही उन्होंने दुनिया को यह भी बताया कि आज का भारत सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपनी मिसाइलों की ताकत, आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प के दम पर नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही तीनों देशों में प्रधानमंत्री का जिस गर्मजोशी और भव्य अंदाज में स्वागत हुआ, उसने भारत की बढ़ती साख की साफ तस्वीर पेश की। इतना ही नहीं, जब मोदी ने वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित किया तो वहां के शीर्ष नेताओं ने भी उनकी लोकप्रियता और भारतीयों के उत्साह को करीब से देखा। इससे एक बार फिर साफ हो गया कि मोदी की पहचान अब केवल भारत के प्रधानमंत्री तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के प्रभावशाली नेताओं में उनकी छवि लगातार और मजबूत होती जा रही है।

न्यूजीलैंड - सबसे पहले बात न्यूजीलैंड की। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। इस मुलाकात का सबसे बड़ा फैसला दोनों देशों के रिश्तों को नई रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने पर भी सहमति जताई ताकि दोनों देशों के व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिल सके।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर कई बड़े कदम उठाए गए। दोनों देशों की नौसेनाएं अब जरूरत पड़ने पर एक दूसरे की रसद सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। समुद्र से जुड़ी जानकारियां साझा होंगी, संयुक्त अभ्यास बढ़ेंगे और समुद्री सुरक्षा पर हर साल नियमित बातचीत होगी। आतंकवाद के खिलाफ साझा कार्य समूह बनाने का भी फैसला हुआ जिससे दोनों देश जानकारी साझा कर आतंक के खिलाफ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा भूकंप, सुनामी और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ेगा। डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक भारत तक पहुंचेगी। पर्यटन, खेल, संस्कृति, समुद्री विरासत, खाद्य तकनीक और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई समझौते हुए। नागालैंड और उत्तराखंड में कीवी फल के लिए दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे ताकि किसानों को बेहतर तकनीक और अधिक उत्पादन का लाभ मिल सके। न्यूजीलैंड ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का भी फैसला किया। अंटार्कटिका अनुसंधान, खाद्य तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच नए सहयोग का रास्ता खुला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए न्यूजीलैंड ने अपना समर्थन दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी दोनों देश एकमत दिखाई दिए।

आस्ट्रेलिया - अब बात ऑस्ट्रेलिया की। मेलबर्न में हुई वार्षिक शिखर बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती दी। नई संयुक्त रक्षा घोषणा के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, नई तकनीक और समुद्री कानूनों के पालन पर साथ काम करने का फैसला हुआ। समुद्री सुरक्षा के लिए अलग कार्ययोजना बनी और दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच भी नया समझौता हुआ।ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों ने साथ मिलकर काम करने का भरोसा दोहराया। लंबे समय से लंबित असैन्य परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने का रास्ता साफ हुआ, जिससे भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति आसान होगी। नई तकनीक, साइबर सुरक्षा और जरूरी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी नई साझेदारी बनी।शिक्षा और कौशल विकास में भी कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। खनन क्षेत्र के लिए भुवनेश्वर में उत्कृष्टता केंद्र बनेगा। ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलेंगे जिससे भारतीय छात्रों को विदेश जाए बिना बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। दोनों देशों के कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के बीच भी सहयोग बढ़ेगा। इस यात्रा की एक खास उपलब्धि भारत की प्राचीन धरोहरों की वापसी भी रही। नंदी, भगवान कार्तिकेय और मां काली से जुड़ी तीन दुर्लभ प्राचीन मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को लौटाने का फैसला किया। इसके अलावा सौर ऊर्जा, विज्ञान, फिल्म निर्माण, पारंपरिक ज्ञान, खनिज खोज और औषधि अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई नए समझौते हुए।

इंडोनेशिया - प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई जहां दोनों देशों ने अपने पुराने रिश्तों को और मजबूत बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई बातचीत में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति जैसे लगभग हर क्षेत्र पर विस्तार से चर्चा हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देने का फैसला किया।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर सहयोग बढ़ेगा। समुद्री सुरक्षा, संयुक्त अभ्यास, तटरक्षक बलों के बीच तालमेल और जहाज निर्माण में भी साथ काम होगा। भारत और इंडोनेशिया आतंकवाद के खिलाफ भी मिलकर काम करेंगे और नई तकनीक का गलत इस्तेमाल रोकने पर भी सहयोग बढ़ेगा। व्यापार बढ़ाने, दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति मजबूत करने, इस्पात उद्योग में संयुक्त निवेश करने और दोनों देशों की मुद्राओं में लेन-देन बढ़ाने पर भी सहमति बनी। स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाइयों के मानकों, चिकित्सा कर्मचारियों के प्रशिक्षण और खाद्य सुरक्षा पर समझौते हुए। कृषि, उर्वरक, ऊर्जा, दूरसंचार, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और आपदा प्रबंधन में भी नए समझौते हुए।

दोनों देशों ने समुद्री और हवाई संपर्क बढ़ाने, सबांग बंदरगाह के विकास में सहयोग, डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और छोटे कारोबारियों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया। साथ ही सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रंबानन मंदिर के संरक्षण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा और दोनों देशों ने अगले दो वर्षों को गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर और की हजर देवंतरा की सांस्कृतिक स्मृति के रूप में मनाने का फैसला भी किया। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह तीन देशों का दौरा कई मायनों में सफल माना जा सकता है। न्यूजीलैंड के साथ ऐतिहासिक नई साझेदारी बनी, ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा, शिक्षा और ऊर्जा संबंधों को नई मजबूती मिली, जबकि इंडोनेशिया के साथ समुद्री सुरक्षा, व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग का नया रास्ता खुला। इन समझौतों का असर आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा, व्यापार, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और रोजगार जैसे कई क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि इस पूरे दौरे को भारत की विदेश नीति के लिए एक मजबूत और दूरगामी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

अतिथियों के ठहरने के बिल भुगतान मामले में कार्रवाई की तैयारी, शासन को सौंप गई जांच रिपोर्ट

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा के दौरान अतिथियों के ठहरने के बिल भुगतान मामले में कार्रवाई की तैयारी हो गई है।–बीकेटीसी शासन को जांच रिपोर्ट सौंप चुकी है। बिलों का भुगतान करने के लिए बिना अनुमति के छह लाख रुपये जारी किए गए। बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में वित्तीय अनियमितता की परतें खुल रही हैं। बीते वर्ष चारधाम यात्रा में केदारनाथ मंदिर में अतिथियों को ठहराने के लिए बिलों के भुगतान मामले में कार्रवाई की तैयारी है। आरटीआई से मामले का खुलासा होने के बाद बीकेटीसी जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी चुकी है। इस पर कार्रवाई लंबित है। वर्ष 2025 में दो मई को केदारनाथ धाम के कपाट खुले थे। 30 अप्रैल से 15 मई तक केदारनाथ यात्रा पर आने वाले अतिथियों के लिए मंदिर समिति ने ठहरने की आवासीय व्यवस्था की। होटलों, लॉज, जीएमवीएन के विश्राम गृह में कमरों के बिलों के भुगतान के लिए वित्त अधिकारी व अध्यक्ष से अनुमति नहीं ली गई। अधिकारियों ने अपने स्तर पर अनुमोदन देकर भुगतान के लिए छह लाख की अग्रिम राशि जारी कर दी। बीकेटीसी ने जांच में वित्तीय अनियमितता पाई है। जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी दी गई है। अब बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी में कार्रवाई के बाद केदारनाथ मंदिर में बिलों के भुगतान मामले में भी कार्रवाई की तैयारी है।

उत्तराखंड रिवर राफ्टिंग-कयाकिंग संशोधन नियमावली मंजूर

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में राफ्टिंग के लिए अधिसूचित नदियों पर अब अवैध राफ्टिंग का संचालन करने वाले लोगों की न सिर्फ राफ्ट जब्त की जाएगी. साथ ही एक लाख रुपए का जुर्माना भी वसूला जाएगा. इसके साथ ही 60 साल की आयु वाले भी रोजगार की पतवार चला सकेंगे. सीएम धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान पर्यटन विभाग ने रिवर राफ्टिंग, कयाकिंग नियमावली 2014 में संशोधन का प्रस्ताव रखा. जिस पर मंत्रिमंडल ने सहमति जाता दी है. साथ ही रिवर राफ्टिंग/ कयाकिंग (संशोधन) नियमावली 2026 को मंजूरी दे दी है. राफ्टिंग/ कयाकिंग नियमावली में कई महत्वपूर्ण संशोधन किये गये हैं. इन संशोधन के बाद राफ्टिंग को प्रदेश में सही तरीके से रेगुलेट किया जा सकेगा. साथ ही नियमावली संशोधन के बाद राफ्टिंग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खुलेंगे.

सरकारी अस्पताल की क्षतिग्रस्त दीवार भरभराकर गिरी, मलबे में दबे डॉक्टर, हायर सेंटर ले जाते हुए मौत

चमोली, एजेंसी। बारिश से पहले ही कमजोर हो चुकी अस्पताल की दीवार गिरने से हादसा हो गया। निरीक्षण कर रहे चिकित्सा प्रभारी अचानक दीवार के मलबे में दब गए और उनकी मौत हो गई। चमोली जिले के नारायणबगड़ के सरकारी अस्पताल परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार शनिवार दोपहर भरभराकर गिर गई। इस दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ नवीन चंद्र डिमरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में तत्कालिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ रिया घिल्डियाल ने उनकी स्थिति चिंताजनक बताई थी। अचानक हुई इस घटना से स्थानीय लोग और व्यापारी स्तब्ध रह गए हैं। बीते 25 जून को भारी बारिश के कारण बहकर आए मलबे से अस्पताल की बांउड्रीवाल क्षतिग्रस्त हो गई थी। शनिवार को क्षतिग्रस्त दीवार का मरम्मत कार्य किया जा रहा था। इस दौरान डा नवीन चंद्र डिमरी मरम्मत कार्य का जायजा ले रहे थे कि अचानक पहले से खोखली हो चुकी दीवार उनके उपर भरभराकर गिर पड़ी और वे उसके नीचे दब गए। इस दर्दनाक हादसे का पता चलते ही अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी और व्यापारी बचाव कार्य में जुट गए। गंभीर रूप से घायल डिमरी को रेस्क्यू कर अस्पताल में लाया गया और प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

शादी के सिर्फ दो महीने बाद मौत...पत्नी को सरप्राइज देने आया पति, जन्मदिन मनाकर सोया और फिर कभी नहीं उठा

नैनीताल, एजेंसी। हरिद्वार से युवक पत्नी के जन्मदिन का सरप्राइज देने घर आए थे। ड्यूटी पर लौटने के लिए उठने का समय हुआ, लेकिन वह नींद से नहीं उठे। पत्नी ने जगाने का प्रयास किया तो शरीर में कोई हलचल नहीं थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्नी के जन्मदिन पर सरप्राइज देने हरिद्वार से घर आए युवक की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्राथमिक तौर पर चिकित्सक इसे साइलेंट हार्ट अटैक का मामला मान रहे हैं, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है। हल्दूचौड़ (दीना डी क्लास) निवासी कमल आर्य (30) हरिद्वार स्थित हीरो कंपनी में कार्यरत था। उसकी शादी इसी वर्ष 30 अप्रैल को बिंदुखत्ता निवासी युवती से हुई थी। बृहस्पतिवार को पत्नी का जन्मदिन होने के कारण कमल विशेष रूप से छुट्टी लेकर घर आया था। रात में परिवार के साथ जन्मदिन मनाया और भोजन करने के बाद वह सो गया। परिजनों के अनुसार कमल को शुक्रवार सुबह हरिद्वार ड्यूटी पर लौटना था। इसके लिए उसे लालकुआं से सुबह छह बजे की ट्रेन पकड़नी थी।

केदारनाथ वीआईपी मेहमाननवाजी मामला, जांच में सही पाए गए आरोप, शासन ने दिए कार्रवाई के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम में वीआईपी मेहमानों के आवास और भोजन पर मंदिर समिति की ओर से खर्च किए जाने के आरोपों की जांच में वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि हुई है. जांच रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखंड शासन ने भी मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं.

बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) से जुड़े वीआईपी अतिथि विवाद में बड़ा खुलासा हुआ है. मंदिर समिति द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट में केदारनाथ धाम में विशिष्ट अतिथियों के आवास और भोजन आदि से संबंधित बिलों के भुगतान में अनियमितताओं की पुष्टि हुई है. बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस बारे में खुद जानकारी दी है.

क्या था पूरा मामलाः दरअसल, मामला उस समय चर्चा में आया, जब आरटीआई के माध्यम से कुछ दस्तावेज सार्वजनिक हुए. इन दस्तावेजों में आरोप लगाया गया था कि केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचे कुछ वीआईपी व्यक्तियों के भोजन और आवास से जुड़े खर्च मंदिर समिति के खाते से वहन किए गए. दस्तावेजों में भाजपा प्रदेश सचिव नेहा जोशी के नाम पर लगभग 60 हजार रुपए और केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल के नाम पर करीब 37 हजार रुपए से अधिक के खर्च का उल्लेख किया गया था. दस्तावेज सार्वजनिक होने के बाद विपक्ष ने इसे श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान राशि के दुरुपयोग का मामला बताते हुए सरकार और मंदिर समिति पर सवाल उठाए थे. वहीं, जिन नेताओं के नाम सामने आए, उन्होंने स्वयं पर लगे आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि उन्होंने अपने निजी खर्च का भुगतान स्वयं किया था.

जांच में मिली अनियमितताओं की पुष्टिः विवाद बढ़ने के बाद बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के निर्देश पर चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी. समिति को पूरे प्रकरण से जुड़े अभिलेखों, बिलों और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच का जिम्मा सौंपा गया था. जांच के दौरान समिति ने विभिन्न वित्तीय अभिलेखों और भुगतान प्रक्रियाओं का परीक्षण किया. जांच रिपोर्ट में पाया गया कि कुछ मामलों में विशिष्ट अतिथियों से संबंधित आवास और भोजन के बिल मंदिर समिति के माध्यम से भुगतान किए गए थे.

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि भुगतान प्रक्रिया में निर्धारित वित्तीय नियमों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया. जांच रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखंड शासन के पर्यटन एवं धर्मस्व विभाग ने भी मामले को गंभीर माना है.

'जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया मंदिर कोष से आहरित अग्रिम धनराशि को बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के जारी करना वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में पाया गया है. पत्र में तत्कालीन व्यवस्थापक केदारनाथ, तत्कालीन मुख्य प्रभारी अधिकारी केदारनाथ और तत्कालीन मुख्य कार्याधिकारी, बदरी-केदार मंदिर समिति की भूमिका को भी संदिग्ध बताया गया है. शासन ने अपने पत्र में बीकेटीसी अधिनियम 1939 और उसके अंतर्गत लागू नियमावलियों के प्रावधानों के अनुसार संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं'.

शासन के इस पत्र ने स्पष्ट कर दिया है कि मामला केवल आरोपों तक सीमित नहीं है, बल्कि जांच के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी अनियमितताओं को स्वीकार किया गया है.

दान राशि के उपयोग पर उठे सवाल, दोषियों पर कार्रवाई की मांग तेजः केदारनाथ और बदरीनाथ जैसे प्रमुख धामों में आने वाले श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में दान और चढ़ावा अर्पित करते हैं. ऐसे में यदि मंदिर कोष की राशि का उपयोग किसी भी प्रकार के वीआईपी अतिथि या गैर-अनुमोदित खर्चों में किया जाता है तो यह सीधे तौर पर श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय बन जाता है. यही कारण है कि मामला सामने आने के बाद धार्मिक संगठनों और आम श्रद्धालुओं के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है.

जांच रिपोर्ट और शासन के निर्देश सामने आने के बाद अब जिम्मेदारी तय करने की मांग तेज हो गई है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पूरे मामले में पारदर्शी कार्रवाई और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की है.

बीकेटीसी अध्यक्ष का कहना है कि, जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में श्रद्धालुओं की आस्था और मंदिर कोष से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की अनियमितता न हो.

तीन अलग-अलग पदों पर अभ्यर्थियों को मिली बड़ी राहत

आरक्षित सीटों पर प्रमाण पत्र प्रस्तुत ना करने से फंसी थी नौकरी

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में ऐसे राज्य आंदोलनकारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनका तीन अलग-अलग पदों पर सरकारी नौकरियों के लिए चयन तो किया गया लेकिन अंतिम संस्तुति ना मिलने के कारण उनकी नौकरी लटक गई. हालांकि अब ऐसे अभ्यर्थियों को राहत दी गई है और इनका चयन परिणाम जारी भी कर दिया गया है. अब ऐसे 58 अभ्यर्थियों को आयोग ने राहत देते हुए चयन परिणाम जारी कर दिया है.

मामला कनिष्ठ सहायक, पुलिस कांस्टेबल और आशुलिपिक के पद से जुड़ा हुआ है. जिस पर कुल 58 अभ्यर्थियों का चयन तो किया गया लेकिन प्रमाण पत्र से जुड़ी औपचारिकता पूरी न होने के कारण इनके अंतिम चयन परिणाम को जारी नहीं किया जा सका. ऐसे में यह अभ्यर्थी काफी समय से इसके लिए राहत की मांग कर रहे थे, जिस पर गंभीरता दिखाते हुए राज्य सरकार ने इन्हें राहत दी और अब उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने भी इनका चयन परिणाम जारी कर दिया है.

इसमें 44 अभ्यर्थी कनिष्ठ सहायक, 2 आशुलिपिक और 12 पुलिस कांस्टेबल पद के लिए चयनित किए गए थे, लेकिन चयन के बाद प्रमाण पत्रों को प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण इन अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी नहीं हो पाया था. ऐसे में संशय इस बात को लेकर भी था कि क्या उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इन अभ्यर्थियों को दोबारा चयन के लिए प्रमाण पत्र को प्रस्तुत करने का अवसर देगा या नहीं. इसमें बताया यह गया कि जिन अभिव्यक्तियों के चयन किए गए थे वह अपने प्रमाण पत्र को प्रस्तुत इसलिए भी नहीं कर पाए क्योंकि उनके प्रमाण पत्र बनाए जाने संबंधी प्रक्रिया गतिमान थी और समय से दस्तावेज नहीं बन पाने के कारण इनका चयन नहीं हो पाया था. इसी को देखते हुए इस मामले में सरकार ने अभ्यर्थियों की मांगों को देखते हुए इस पर निर्णय लिया. राज्य आंदोलनकारी के लिए आरक्षित इन सीटों पर ऐसे अभ्यर्थियों को एक बार फिर मौका देने के लिए कैबिनेट में निर्णय लिया गया. इसके बाद उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने इस पर दोबारा से विचार किया. खास बात यह है कि इसके बाद अब आयोग ने इनका रिजल्ट जारी कर दिया है और अलग-अलग इन तीन पदों के लिए विभागों को 58 नए अभ्यर्थी मिल गए हैं. इसमें पुलिस विभाग को पुलिस कांस्टेबल मिलने के साथ ही सबसे ज्यादा कनिष्ठ सहायक के रूप में अलग-अलग विभागों को कर्मचारी मिले हैं.

बदरीनाथ दान चढ़ावा चोरी मामला, भाजपा ने कहा-गोदियाल के समय हुआ था निलंबित कर्मी स्थायी

देहरादून, एजेंसी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में नियुक्तियों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है. भाजपा ने पूर्व बीकेटीसी अध्यक्ष और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल पर नियुक्तियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं.

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कहा कि, चंदा चोरी प्रकरण में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के एक वैयक्तिक सहायक का निलंबन हुआ है. उस कर्मचारियों की नियुक्ति वर्तमान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष पद (2012 से 2017) पर रहते हुए 2014 में स्थाई हुई थी. इसलिए सबसे पहले जिम्मेदारी गणेश गोदियाल की बनती है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए.

जब जांच की जाएगी तो निश्चित तौर पर गोदियाल का कार्यकाल भी इसमें सम्मिलित होगा. इसलिए सबसे पहले गणेश गोदियाल को माफी मांगनी पड़ेगी कि उन्होंने ऐसे व्यक्ति को बीकेटीसी में स्थाई किया था, जो बाद में चोर साबित हुआ और कार्रवाई चल रही है. सरकार धार्मिक स्थलों के प्रति बहुत संवेदनशील रही है. इसलिए सरकार ने इस मामले पर कार्रवाई शुरू कर दी है.

उन्होंने कटाक्ष किया कि, कोई व्यक्ति अगर स्मार्ट सिटी मामले पर दोषी हो जाता है, तो इसका अर्थ यह लगाया जाए कि उस व्यक्ति के मां-बाप उसकी पैदाइश के लिए माफी मांगे.

राज्यपाल से मिले नीति आयोग के सदस्य

देहरादून, एजेंसी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से बृहस्पतिवार को लोक भवन में नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम श्रीनिवास ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डॉ. एम श्रीनिवास ने स्वास्थ्य सेवाओं, सतत विकास लक्ष्यों और आयुष क्षेत्र को सशक्त बनाने संबंधी सुझाव रखे। उन्होंने उत्तराखंड में स्वास्थ्य संबंधी सूचकांकों में सुधार, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं तथा आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाओं को और अधिक मजबूत किए जाने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और आयुष क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनकल्याण से जुड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी प्रयास जारी रहेंगे। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड के विकास में नीति आयोग का सदैव सकारात्मक सहयोग मिला है और भविष्य में भी राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सहयोग मिलता रहेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 707 ए मसराना के पास पहाड़ गिरने से हुआ बंद

देहरादून, एजेंसी। पहाड़ों की रानी मसूरी सहित आसपास के क्षेत्र में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग–707 ए पर मसराना के निकट किलोमीटर 178 पर मलबा और पत्थर आने से यातायात प्रभावित हो गया। मार्ग बाधित होने की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग ने मौके पर जेसीबी भेजकर मार्ग से मलबा हटाया और यातायात सुचारु किया। बृहस्पतिवार को बारिश के चलते त्यूनी–चकराता–मसूरी–नई टिहरी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग–707ए पर मसराना के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर राजमार्ग पर आ गए, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। राजमार्ग पर करीब एक घंटे तक आवाजाही पूरी तरह से ठप्प रही। मार्ग के बंद होने की सूचना पर एनएच 707 के अधिकारियों ने मौके पर जेसीबी भेजकर मार्ग से मलबा, बोल्डर हटाया और यातायात बहाल किया। अपर सहायक अभियंता शरद कुमार टम्टा ने बताया कि सूचना पर तत्काल मौके पर जेसीबी भेजकर मलबा हटाया गया और मार्ग में आवाजाही सुचारु की है। कहा लगातार हो रही बारिश के चलते एनएच पूरी तरह से अलर्ट पर है, जेसीबी सहित कर्मचारी पूरी तरह से मुस्तैद है।

वक्फ संपत्तियों में गड़बड़ियों की जांच, 10 दिन में रिपोर्ट तलब, सख्त हुये गढ़वाल कमिश्नर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में वक्फ संपत्तियों को खुर्द बुर्द करने से जुड़ी जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है. स्थिति यह है कि अब खुद कमिश्नर कार्यालय को इस पर दखल देते हुए जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश देने पड़ रहे हैं. मामला करोड़ों की संपत्तियो में गड़बड़ी से जुड़ा है. लिहाजा इसे गंभीरता से लेने के निर्देशजारी हुए हैं. साथ ही 10 दिन में जांच आख्या देने के लिए भी कहा गया है.

उत्तराखंड में वक्फ संपत्तियों में कथित गड़बड़ियों और अनियमितताओं से जुड़े मामलों की जांच अब तक आगे नहीं बढ़ पाने पर गढ़वाल कमिश्नर कार्यालय ने सख्त रुख अपनाया है. करोड़ों रुपये की वक्फ परिसंपत्तियों से जुड़े इस मामले में जांच रिपोर्ट लंबित रहने पर कमिश्नर कार्यालय ने संबंधित अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं. अधिकारियों का मानना है कि जांच में हो रही देरी के कारण मामले का निस्तारण प्रभावित हो रहा है, जबकि शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए जल्द कार्रवाई आवश्यक है.

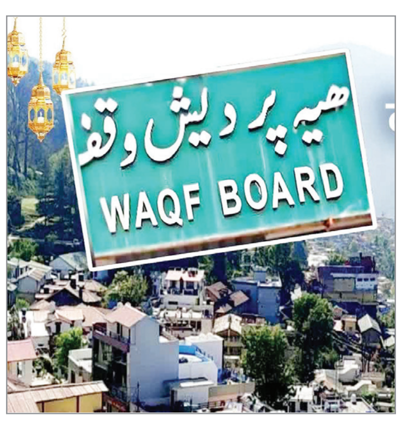

उत्तराखंड समेत देशभर में वक्फ बोर्ड के अधीन बड़ी संख्या में भूमि और अन्य परिसंपत्तियां हैं. समय-समय पर इन संपत्तियों पर अतिक्रमण, रिकॉर्ड में गड़बड़ी और संपत्तियों के दुरुपयोग जैसे आरोप सामने आते रहे हैं. हालांकि, अधिकांश मामलों में शिकायतों के बावजूद जांच और कार्रवाई अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाई. उत्तराखंड में भी इसी तरह का मामला सामने आया है, जहां शिकायत दर्ज होने और जांच के आदेश जारी होने के बावजूद अब तक संबंधित जांच रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है. इसी स्थिति को देखते हुए गढ़वाल कमिश्नर कार्यालय ने देहरादून के जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जांच आख्या में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है. पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी स्तर से जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन अब तक रिपोर्ट कमिश्नर कार्यालय को नहीं भेजी गई. इसके चलते पूरे प्रकरण के निस्तारण में अनावश्यक विलंब हो रहा है.

दरअसल उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने वक्फ संपत्तियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायत शासन से की थी. शिकायत में दावा किया गया था कि वक्फ बोर्ड की कई महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों से जुड़े दस्तावेज कार्यालय से गायब हैं. जिससे संपत्तियों के वास्तविक रिकॉर्ड और उनके प्रबंधन पर सवाल खड़े हो रहे हैं. इसे गंभीर मामला मानते हुए शासन स्तर पर जांच के निर्देश जारी किए गए थे.

इसी क्रम में देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर के जिलाधिकारियों से कहा गया था कि वे अपने-अपने जिलों में उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों के आधार पर वक्फ संपत्तियों की स्थिति स्पष्ट करते हुए विस्तृत जांच आख्या प्रस्तुत करें. उद्देश्य यह था कि वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड और सरकारी अभिलेखों का मिलान कर यह पता लगाया जा सके कि कहीं संपत्तियों में फर्जीवाड़ा, रिकॉर्ड में हेरफेर या अवैध कब्जे जैसी स्थिति तो नहीं है.

दिन में एमएमए फाइटर, रात में सिक्योरिटी गार्ड, मुनस्यारी के विक्की टोमक्याल की जुनून भरी कहानी

देहरादून, एजेंसी। 'कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो'...कवि दुष्यंत कुमार की ये लाइनें उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित मुनस्यारी के विक्की टोमक्याल पर सटीक बैठती हैं. अपनी मंजिल पाने के लिए विक्की जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं, वो आसमां में सुराख करने की तरह ही है.

उत्तराखंड के बॉर्डर इलाके के युवा की संघर्ष की कहानीः पहाड़ के दूरस्थ गांवों से निकलकर बड़े सपने देखने वाले युवाओं की कहानियां अक्सर संघर्षों से भरी होती हैं. कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो यह साबित करती हैं कि संसाधनों की कमी किसी व्यक्ति की मंजिल तय नहीं करती, बल्कि उसका जुनून और मेहनत उसकी पहचान बनाते हैं. उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी क्षेत्र से आने वाले विक्की सिंह टोमक्याल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है.

सोशल मीडिया के वीडियो से चर्चा में आए विक्कीः एक ओर विक्की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में अपना करियर बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अपने खर्च और खेल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए पार्ट टाइम सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते हैं. हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ. वीडियो में एक युवा शादी समारोह में सिक्योरिटी गार्ड की वर्दी पहनकर ड्यूटी करता दिखाई देता है.

कुछ ही समय बाद लोगों को पता चला कि यह कोई सामान्य गार्ड नहीं, बल्कि एमएमए फाइटर विक्की सिंह टोमक्याल हैं. इसके बाद उनकी कहानी देशभर में चर्चा का विषय बन गई. कई लोगों ने इसे संघर्ष और समर्पण का उदाहरण बताया, तो कई लोगों ने सवाल भी उठाया कि आखिर एक उभरते हुए खिलाड़ी को अपने सपनों को जिंदा रखने के लिए दोहरी जिम्मेदारियां क्यों निभानी पड़ रही हैं.

फाइटिंग के प्रति मेरा आकर्षण बचपन से ही था. जब मैं गांव से पिथौरागढ़ आया तो पहली बार मैंने टेलीविजन पर एमएमए रेसलिंग देखी. उस समय मुझे यह नहीं पता था कि यह कौन सा खेल है. लेकिन लड़ाई और मुकाबले का रोमांच मुझे बेहद आकर्षित करता था. उस समय मुझे एमएमए के बारे में कुछ नहीं पता था. बस इतना लगता था कि यह बहुत अलग और रोमांचक चीज है. धीरे-धीरे मेरी रुचि इसमें बढ़ती गई.

विक्की बताते हैं कि समय के साथ जब वह घर और गांव की सीमाओं से बाहर निकले, लोगों से मिले और सोशल मीडिया का उपयोग करने लगे, तो उन्हें मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स यानी एमएमए के बारे में जानकारी मिली. इसी दौरान उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया जिसने उनका पूरा रास्ता बदल दिया.

विक्की बताते हैं कि उस वीडियो को देखने के बाद उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा फैसला लिया. परिवार की इच्छा कुछ और थी, लेकिन उन्होंने अपने सपने का रास्ता चुना. अगले ही दिन उन्होंने तय कर लिया कि अब उन्हें एमएमए में ही आगे बढ़ना है.

मुनस्यारी के छोटे से गांव से शुरू हुआ सफरः विक्की का जन्म मुनस्यारी के नजदीक स्थित उनके पैतृक गांव तोमिक चिंगली में हुआ. वह बताते हैं कि गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी थी. पहाड़ के कई दूरस्थ गांवों की तरह वहां भी शिक्षा, खेल और अन्य अवसर सीमित थे. हमारे गांव में बहुत ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं. लेकिन शायद वही परिस्थितियां थीं जिन्होंने मुझे कुछ अलग करने की प्रेरणा दी.

बाद में परिवार शहरों की ओर आया और दुनिया को करीब से देखने का मौका मिला. इसी दौरान उनके भीतर अपने सपनों को लेकर गंभीरता बढ़ी और उन्होंने तय कर लिया कि वह फाइटिंग की दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे. पहाड़ के अधिकांश युवाओं की तरह विक्की का पहला सपना भी सेना में भर्ती होने का था. उन्होंने इसके लिए तैयारी शुरू की और शारीरिक प्रशिक्षण लेना भी शुरू किया.

विक्की बताते हैं कि इसी दौरान एक वरिष्ठ व्यक्ति ने उनकी क्षमता को देखते हुए कहा कि वह बॉक्सिंग में अच्छा कर सकते हैं. उन्होंने बॉक्सिंग में जाने की कोशिश भी की, लेकिन आयु वर्ग की पात्रता के कारण उन्हें मौका नहीं मिल सका. इसके बाद एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ट्रेनिंग दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. धीरे-धीरे उनका झुकाव पूरी तरह एमएमए की ओर हो गया. वह बताते हैं कि शुरुआत में उनके पास न तो संसाधन थे और न ही इस खेल की गहरी जानकारी, लेकिन सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा लगातार बनी रही.

विक्की बताते हैं कि कई बार वजन और अन्य तकनीकी कारणों से उन्हें मुकाबलों में उतरने की अनुमति नहीं मिलती, लेकिन उनका जुनून उन्हें लगातार आगे बढ़ाता है. वो बताते हैं कि एक महीने के भीतर उन्होंने अपने वजन पर लगातार काम करते हुए तीन अलग-अलग मुकाबले खेले और मुंबई तक जाकर प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया. उनके अनुसार, हर मुकाबला उन्हें कुछ नया सिखाता है और बेहतर बनने की प्रेरणा देता है.

खेल में आगे बढ़ने के लिए करते हैं सिक्योरिटी गार्ड की नौकरीः विक्की कहते हैं, मेरे परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया है. मेरे माता-पिता मुझे हर तरह से सपोर्ट करते हैं. लेकिन मैं यह भी समझता हूं कि मेरे पिता अकेले कमाने वाले हैं. ऐसे में मैं हमेशा उन पर निर्भर नहीं रह सकता. विक्की बताते हैं कि स्कूल के प्रति उनका जुनून इतना अधिक था कि उन्होंने पढ़ाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और दसवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी.

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ने स्कूल में बांटे 1300 फलदार पौधे

वाराणसी, एजेंसी। रोटरी क्लब वाराणसी नॉर्थ की ओर से शनिवार को डालिम्स स्कूल रोहनिया में 1300 फलदार पौधे बांटे गए। विद्यार्थियों को पौधे दिए गए और कुछ पौधे स्कूल परिसर में रोपे गए। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट दिनेश गर्ग और स्कूल की प्रधानाचार्य गुरमीत कौर ने विद्यार्थियों को एक-एक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष अशोक सुल्तानिया, डॉ. राकेश जायसवाल, डॉ राकेश मोहन, गणेश अग्रवाल, सुरेश खंडेलाल, राकेश रस्तोगी, विजय केशरी, शुभश्री जायसवाल आदि मौजूद थे।

वेदमंत्र और सितार की झंकार से निखरी आभा

वाराणसी, एजेंसी। सुबह-ए-बनारस में शनिवार को अस्सीघाट पर आचार्य संजीवनी के आचार्यत्व में ऋषिकाओं ने वेदमंत्रों से यज्ञशाला में आहुतियां डालीं और लोकमंगल की कामना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में युवा कलाकार रोनित चैटर्जी का सितार वादन हुआ। उन्होंने द्रुत तीनताल में निबद्ध स्वर रचना बजाकर श्रोताओं को आनंदित किया। समापन दादरा-बांध के पिरिलिया के डोर... से किया। तबले पर जापान के हीमोरू मतसुदा और बनारस के कृष्णा प्रजापति ने संगत की। युवा उद्यमी कुमार प्रशांत मिश्रा ने प्रमाणपत्र दिया। स्वागत संस्थापक सचिव रत्नेश वर्मा ने किया।

सातवीं बार काशी पहुंचे सेंटियागो ने फेरी पारंपरिक जोड़ी गदा

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय शैली से दुनिया को रूबरू करा रहे स्पेनिश मेस खिलाड़ी सेंटियागो ने शनिवार सुबह तुलसी घाट स्थित अखाड़ा स्वामीनाथ में जोड़ी गदा फेरी। सातवीं बार काशी पहुंचे सेंटियागो ने पारंपरिक जोड़ी गदा फेरने को सेहत के लिए अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि जिम से अच्छी शारीरिक बनावट जोड़ी गदा और अखाड़े के अभ्यास से बनती है। उन्होंने कहा कि अखाड़े की मिट्टी औषधीय गुणों वाली होती है। इस दौरान स्पेनिश मेस और भारतीय गदा के कोच सेंटियागो ने दंगल के दांव भी आजमाए।

सर्पदंश से तीन वर्षीय मासूम की मौत, घर के बाहर खेलते समय हुई घटना

गोरखपुर, एजेंसी। खोराबार थाना क्षेत्र के मजनू चौराहा पर बृहस्पतिवार की शाम घर के बाहर खेल रहे तीन वर्षीय मासूम की सर्पदंश से मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मजनू चौराहा निवासी दुर्गाशंकर का तीन वर्षीय बेटा अभियांश बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे घर के सामने खेल रहा था। इसी दौरान झाड़ियों से निकले सांप ने उसे डंस लिया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल सांप को पकड़ लिया और बाद में उसे मार डाला। परिजन गंभीर हालत में अभियांश को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को परिजनों ने स्थानीय परंपरा के अनुसार केले के पौधे की नाव बनाकर मासूम के शव को नदी में प्रवाहित कर दिया। अभियांश दो बहनों का इकलौता भाई और परिवार का सबसे छोटा सदस्य था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मासूम की असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

दलहन विकास योजना से दालों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर, एजेंसी। दलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने राज्य दलहन विकास योजना की शुरुआत की है। इसके तहत किसानों को उन्नत किस्म का बीज मिनीकिट के रूप में निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे दलहन की खेती को बढ़ावा मिलेगा। निशुल्क वितरण के लिए अरहर का 750 मिनीकिट आया है। हर पैकेट चार किलो का है। इससे 200 हेक्टेयर में अरहर की बुआई हो जाएगी। इसके अलावा सामान्य बिक्री के लिए 118.12 क्विंटल अरहर का बीज भी गोदामों पर आया है। मूंग का बीज इस साल मिनीकिट के रूप में 25 पैकेट आया है। हर पैकेट चार किलो का है। इससे सात हेक्टेयर में मूंग की बुआई हो सकती है। वहीं 17.80 क्विंटल बीज बिक्री के लिए आया है। पिछले साल 5354 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अरहर, 192 हेक्टेयर में उड़द और 503 हेक्टेयर में मूंग की खेती की गई थी। इस साल उसे और बढ़ाने का लक्ष्य केंद्र व राज्य सरकार की ओर से रखा गया है। जिला कृषि अधिकारी राजमंगल चौधरी ने बताया कि दलहन की फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत किसानों को मुफ्त उन्नतशील किस्म का बीज दिया जा रहा है। जिन किसानों को मिनीकिट या बीज सरकारी गोदाम से चाहिए उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

मंदिर ट्रस्ट की समितियां भी होंगी भंग

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी की घटना के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की समितियों में भी बदलाव होगा। पुरानी समितियों को भंग कर पुनर्गठन किया जाएगा। प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुछ समितियों में नए सदस्यों को जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। 22 जुलाई को मणिराम दास छावनी में होने वाली ट्रस्ट की अगली बैठक में इस पर फैसला संभव है। ट्रस्ट की अगली बैठक में बैंक के साथ नई एसओपी बनाने पर भी चर्चा होगी। दरअसल, एसआईटी की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया था कि चढ़ावे की गणना प्रक्रिया में निगरानी और जवाबदेही से जुड़ी कई खामियां थीं। इन्हीं कमियों को दूर करने के लिए नई एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार की जाएगी। बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा होगी। इसमें जल्द ही नए गणनाकर्मियों की भर्ती की योजना शामिल है। साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए भी कई निर्णय लिए जा सकते हैं।

बैठक में महासचिव पद के नाम पर भी लगेगी मुहर: 22 जुलाई को होने वाली बैठक के संबंध में ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन की ओर से सभी ट्रस्टियों को सूचना भेज दी गई है। बैठक शाम चार बजे शुरू होगी, लेकिन इससे पहले दोपहर तीन बजे एक विशेष बैठक भी प्रस्तावित है। बैठक के एजेंडे में साफ लिखा है कि दोपहर तीन बजे एक विशेष बैठक की जाएगी। सभी ट्रस्टियों से बैठक में समय पर पहुंचने की अपील की गई है। इस विशेष बैठक में ट्रस्ट के तीन रिक्त पदों पर नए चयन होंगे, नामों पर अंतिम मुहर लगेगी। पूर्व महासचिव चंपत राय व डॉक्टर अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद दो पद रिक्त हैं, जबकि एक पद राजा बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के निधन के बाद से रिक्त है। महासचिव व दो सदस्य पदों पर नियुक्ति तय है।

एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर होगा विचार एजेंडे में बताया गया है कि निर्धारित समय तक एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हो जाती है तो ट्रस्ट उस पर विस्तार से विचार करेगा और आगे की कार्रवाई पर निर्णय ले सकता है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर ट्रस्ट ने आठ लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। जबकि चंपत राय को एसआईटी ने क्लीनचिट दी थी। ऐसे में सबकी निगाहें एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट पर है।

तेज हुई पहला सीईओ चुनने की प्रक्रिया, 22 जुलाई को नाम पर लगी सकती है मुहर

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा प्रकरण के बाद मंदिर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और पेशेवर बनाने की दिशा में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज कर दी है। सीईओ के चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी जल्द ऑनलाइन बैठक कर आवेदन प्रक्रिया और चयन के मापदंड तय करेगी। सूत्रों के अनुसार, 22 जुलाई को प्रस्तावित ट्रस्ट बैठक में चयन प्रक्रिया की प्रगति या संभावित नामों पर भी चर्चा हो सकती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीईओ का चयन केवल प्रशासनिक अनुभव के आधार पर नहीं होगा, बल्कि उम्मीदवार की ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता, धार्मिक आस्था और बड़े संस्थानों के संचालन का अनुभव भी परखा जाएगा। चयन प्रक्रिया में विस्तृत बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और व्यक्तिगत इंटरव्यू को अनिवार्य बनाया जाएगा। कमेटी करीब 10 प्रमुख मापदंड तय करेगी, जिनके आधार पर इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगे जाएंगे। इसके बाद दस्तावेजों की जांच, सेवा रिकॉर्ड, चरित्र सत्यापन और इंटरव्यू के बाद योग्य नाम ट्रस्ट के समक्ष रखे जाएंगे।

अयोध्या राम मंदिर का प्रबंधन देश के अन्य बड़े मंदिरों से अधिक चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में सीईओ में वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और संसाधनों के कुशल संचालन की क्षमता होना आवश्यक है। तीन सदस्यीय सर्च कमेटी में सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी तथा सुरेश हवारे शामिल हैं। कमेटी की ओर से अंतिम रूप से चयनित नाम श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपे जाएंगे, जिसके बाद ट्रस्ट सीईओ की नियुक्ति पर अंतिम निर्णय लेगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को राम मंदिर निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए चढ़ावा चोरी प्रकरण को कलंक बताया। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष, आंदोलन और बलिदान के बाद भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि व्यवस्थाओं में सुधार होगा और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर परिसर में निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद कार्यदायी संस्थाओं के इंजीनियरों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही रामकथा संग्रहालय के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। संग्रहालय में हुई बैठक में एलएंडटी, टाटा, राजकीय निर्माण निगम और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल हुए, जबकि ट्रस्ट के पदाधिकारी इसमें मौजूद नहीं रहे। उन्होंने बताया कि राम मंदिर का मुख्य निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और 30 जुलाई तक अधिकतर कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। केवल चार किलोमीटर लंबी परकोटा (बाउंड्रीवॉल) और अखंड ज्योति की स्थायी व्यवस्था का कार्य शेष रहेगा। परकोटा का निर्माण 30 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है। यही समिति नए सीईओ की नियुक्ति पर अंतिम निर्णय लेगी। चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच पर उन्होंने कहा कि एसआईटी अपना काम कर रही है और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होगी।

नई रणनीति से विस चुनाव में उतरेगी सपा, हर बूथ में जोड़े जाएंगे 50 नए डिजिटल योद्धा

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी ने जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ को मजबूत करने के लिए प्रदेशव्यापी घर-घर संपर्क अभियान का शंखनाद कर दिया है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर जिला और शहर कमेटियों के कार्यकर्ताओं और शीर्ष पदाधिकारियों को सीधे इस अभियान की कमान सौंपी गई है। इस रणनीति के जरिए सपा न केवल अपनी जनकल्याणकारी घोषणाओं को जन-जन तक पहुंचाएगी, बल्कि बूथ स्तर पर पार्टी का एक अभूतपूर्व डिजिटल ढांचा भी खड़ा करने जा रही है। पार्टी के इस प्रयास को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। अभियान के तहत सपा कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के गांवों, कस्बों और मोहल्लों में घर-घर दस्तक देंगे। इस दौरान पार्टी की नीतियों, भावी योजनाओं और चुनावी घोषणाओं के पत्रक बांटे जाएंगे। कार्यकर्ताओं का मुख्य उद्देश्य आम जनता को यह समझाना है कि सपा की सरकार बनने पर उनके जीवन में क्या सकारात्मक बदलाव आएंगे।

हर बूथ पर 40-50 नए डिजिटल सदस्य बनाने का लक्ष्य : पार्टी ने इस बार पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर तकनीक का सहारा लिया है। रणनीति के तहत सूबे के प्रत्येक मतदान केंद्र (बूथ) पर 40 से 50 नए सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ये सभी सदस्य पूरी तरह से डिजिटल माध्यम (मोबाइल एप या ऑनलाइन पोर्टल) के जरिये पार्टी से जोड़े जाएंगे। इस डिजिटल सदस्यता से युवाओं और तकनीक-हितैषी मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

इस बार सदस्यता सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहेगी। डिजिटल माध्यम से जुड़ने वाले सभी नए सदस्यों का पूरा डाटाबेस और रिकॉर्ड सीधे पार्टी केंद्रीय मुख्यालय पर लाइव उपलब्ध रहेगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस केंद्रीयकृत रिकॉर्ड का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि चुनाव के दौरान या किसी विशेष मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व बिना किसी देरी के एक क्लिक पर अपने कार्यकर्ताओं तक सीधे आवश्यक दिशा-निर्देश और संदेश भेज सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट में गाली देने वाले वकील की कहानी आई सामने, दो लड़कियों को कर चुका है परेशान; ईमेल हुआ लीक

लखनऊ, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के सामने अपशब्द कहने वाला प्रबल प्रताप यादव इटावा के नगला जयलाल, भाली भरथना का रहने वाला है। प्रबल प्लानिंग के तहत सुप्रीम कोर्ट गया था। प्रबल की एक ईमेल पुलिस को मिली है, जिसमें उसने स्पष्ट लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा, पूरे देश में हाईलाइट हो जाऊंगा।

छानबीन में सामने आया है कि प्रबल अपने प्रकरण को उछालने और हाईलाइट होने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। यही वजह है कि उसने अपना मामला खुद लड़ने के लिए आवेदन किया था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि विकासनगर स्थित डुप्लेक्स टेक्नोलॉजी में काम करता था। नौकरी के दौरान उसने दो लड़कियों को परेशान किया था। इसमें एक हिंदू और दूसरी मुस्लिम युवती थी। दोनों युवतियों ने कंपनी के अधिकारियों से प्रबल की लिखित शिकायत की थी। इसके बाद कंपनी ने प्रबल को नौकरी से बाहर निकाल दिया था। कंपनी से बदला लेने के लिए उसने कंपनी पर कई तरह के भ्रष्टाचार, टैक्स चारी और गबन के आरोप लगाए थे।

यह है मामला : डुप्लेक्स टेक्नोलॉजीज सर्विसेज प्रा. लि. के खिलाफ धोखाधड़ी और अनियमितता के आरोप में एफआईआर दर्ज कर जांच कराने की मांग को लेकर प्रबल ने स्पेशल सीजेएम कस्टम की अदालत में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने याचिका को परिवाद के रूप में दर्ज कर लिया था, जबकि प्रबल केस दर्ज कराना चाहता था। कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ वह इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ पहुंचा। हाईकोर्ट ने भी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। प्रबल ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश देने की मांग की थी कि कंपनी के खिलाफ केस दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। मांग पूरी नहीं होने पर वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, जहां शुक्रवार को उसने अपशब्द भाषा बोले।

पिता ने कहा कि तनाव में था, इसलिए गलती हो गई : सुप्रीम कोर्ट में खुद अपना मामला लड़ने के दौरान जजों से बदसलूकी करने वाले प्रबल प्रताप यादव जिले की भरथना तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भोली के गांव नगला जयलाल के रहने वाले हैं। प्रबल प्रताप के पिता सुरेंद्र सिंह यादव ने शनिवार को कहा कि बेटा आर्थिक संकट से जूझ रहा था। इस बीच उसके साथ साइबर फ्रॉड भी हो गया। इसकी शिकायत भी नहीं सुनी गई थी। इसके लिए ही उसने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। आर्थिक तंगी के बीच कहीं सुनवाई न होने की वजह से वह तनाव में था। इसलिए ही उससे शायद कोर्ट में गलती हो गई।

आईएमएस-बीएचयू में किया 39 नर्सिंग ऑफिसरों का डिमोशन, सूची जारी होने के बाद उठे सवाल; निदेशक ने दिया जवाब

वाराणसी, एजेंसी। आईएमएस-बीएचयू में सीनियर नर्सिंग ऑफिसर से 39 लोगों का डिमोशन कर दिया गया है। इसके बाद नर्सिंग ऑफिसरों ने प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बिना कोई कारण बताए डिमोशन कर दिया गया। उन्होंने इसकी शिकायत कुलपति, कुलसचिव समेत अन्य अधिकारियों से की है।

बीएचयू अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसरों के प्रमोशन की सूची 3 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी की गई थी। इसमें 195 लोगों को नर्सिंग ऑफिसर से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पद पर पदोन्नत किया गया था। इसके बाद कुछ नर्सिंग ऑफिसरों ने पदोन्नति प्रक्रिया में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए एससी-एसटी आयोग में शिकायत की। शिकायत के बाद आयोग ने बीएचयू को आदेश जारी कर आरक्षण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने 27 मई 2026 को पदोन्नति समिति की दोबारा बैठक की। बैठक में 22 जून को संशोधित पदोन्नति सूची जारी की गई। इसमें पहले पदोन्नत किए गए सामान्य और ओबीसी वर्ग के 39 नर्सिंग ऑफिसरों का प्रमोशन निरस्त कर उन्हें पूर्व पद पर भेज दिया गया। संशोधित सूची से प्रभावित नर्सिंग ऑफिसरों ने कुलपति, कुलसचिव और चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर बिना किसी पूर्व सूचना के डिमोशन किए जाने को नियमविरुद्ध बताया है।

उनका कहना है कि 22 जून को जारी आदेश में भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के स्थापित नियमों और वैधानिक रोस्टर प्रणाली की अनदेखी की गई है। उन्होंने मांग की है कि जब तक इस पूरी प्रक्रिया की किसी उच्चस्तरीय निष्पक्ष समिति से जांच नहीं हो जाती, तब तक वर्तमान पदोन्नति सूची के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।

नर्सिंग ऑफिसरों के प्रमोशन की पूरी प्रक्रिया विश्वविद्यालय के नियमानुसार की जाती है। किसका प्रमोशन हुआ है और कितने लोगों का डिमोशन किया गया है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। यदि इस मामले में नर्सिंग ऑफिसरों की ओर से कोई प्रत्यावेदन मिलता है, तो अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक से बात कर नियमानुसार जो भी उचित होगा, वह कार्रवाई की जाएगी।

- प्रो. एसएन संखवार,
निदेशक, आईएमएस बीएचयू

आज लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, राजनाथ सिंह करेंगे राष्ट्र को समर्पित

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 13 जुलाई को लखनऊ के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह केजीएमयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण भी करेंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने रक्षा मंत्री के दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि राजनाथ सिंह सोमवार सुबह 10:35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से वह सीधे केजीएमयू जाएंगे।

वहां सुबह 11 से दोपहर 12:30 बजे तक 22वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। दीक्षांत समारोह के बाद रक्षा मंत्री सरकारी आवास जाएंगे। इसके बाद दोपहर तीन बजे वह ला मार्टिनियर कॉलेज हेलीपैड से हेलीकॉप्टर के जरिये उन्नाव के लिए प्रस्थान करेंगे। उन्नाव में वह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे।

वहां से लौटने के बाद शाम को सरोजनीनगर स्थित सैनिक स्कूल पहुंचेंगे। वहां वार मेमोरियल पर देश के जांबाजों को श्रद्धांजलि देंगे। शाम 4:30 से पौने पांच बजे तक वह सैनिक स्कूल परिसर में ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। शाम छह बजे वह लखनऊ एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए वापस प्रस्थान करेंगे।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी

जीत के लिए बूथ को मजबूत करने पर रहेगा विशेष फोकस

लखनऊ, एजेंसी। पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के बाद भाजपा अब जमीनी स्तर पर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का कार्यक्रम तय कर दिया गया है। इसके लिए भाजपा ने शनिवार को हुई बैठक में संगठन को बूथ को पार्टी के लिए जीत का मजबूत किला बनाने के साथ ही विपक्ष के खिलाफ आक्रामक रणनीति का खाका तैयार किया गया। बैठक में तय किया गया कि घर नए के साथ ही घर बैठे पुराने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संपर्क करके उनको बूथ प्रबंधन की जिम्मेदारी देकर सक्रिय किया जाए। इसके साथ ही पार्टी से जनता जोड़ने के लिए आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए भी सभी पदाधिकारियों को टास्क दिया गया है।

नई कार्यकारिणी और सभी मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पार्टी मुख्यालय में आगामी चुनावी तैयारियों की रणनीति तैयार की और पदाधिकारियों को चुनाव जीतने का मंत्र समझाया। बैठक में खास तौर से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ सशक्तीकरण, जनसंपर्क अभियान, वृक्षारोपण, डिजिटल बूथ प्रशिक्षण और कारगिल विजय दिवस की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पूरे प्रदेश में श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति के साथ मनाने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, पूर्व सैनिकों के सम्मान और युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना जगाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारियों से कहा कि विपक्ष झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार का माहौल बनाने में जुटा है। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां को घर-घर पहुंचाएं और विपक्ष के आरोपों का तथ्यों के आधार पर जवाब दें। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए संगठन और सरकार को पूरी ताकत के साथ जनता के बीच काम करना होगा। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि संगठन के अभियान केवल औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि जनसंपर्क बढ़ाने और जनता का विश्वास मजबूत करने का माध्यम बनें। प्रत्येक पदाधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित प्रवास करें, संगठन की समीक्षा करें और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से लगातार संवाद बनाए रखें।

बूथ को हर स्तर पर मजबूत करने की कवायद : वहीं, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ आधारित है और सभी गतिविधियों का केंद्र भी बूथ ही होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्यों, पुराने और नए कार्यकर्ताओं, पूर्व पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन का विस्तार केवल बैठकों से नहीं, बल्कि लगातार संपर्क, समन्वय और सक्रिय भागीदारी से होगा। बैठक में आगामी वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने पर भी जोर दिया गया। धर्मपाल सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता सिर्फ पौधे न लगाएं, बल्कि उनके संरक्षण का भी संकल्प लें। साथ ही डिजिटल बूथ प्रशिक्षण अभियान को तेज करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को सरल ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे सरकार की योजनाओं और पार्टी की विचारधारा को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचा सकें। पदाधिकारियों से संगठन द्वारा तय सभी कार्यक्रमों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने का आह्वान किया गया।

मथुरा में रेलवे ट्रैक पर मिले दो शव, दोनों की नहीं हुई पहचान

- एक शव राया क्षेत्र में मथुरा कासगंज रेलवे लाइन पर मिला
- दूसरा शव कोसीकला रेलवे स्टेशन पर रेलवे लाइन पर मिला

मथुरा। रविवार को मथुरा में दो शव रेलवे लाइन पर मिले है। दोनों शवों की पहचान नहीं हो चुकी है। एक शव राया क्षेत्र में तथा दूसरा कोसीकला रेलवे स्टेशन के रेलवे ट्रैक पर मिला। राया थाना राया क्षेत्र में रविवार सुबह गंग नहर के समीप कासगंज मथुरा रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का रक्तरंजित शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना राया पुलिस तथा जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक की पहचान कराने के प्रयास लगातार जारी हैं, ताकि उसके परिजनों को सूचना दी जा सके।

कोसीकलां में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव : थाना कोसीकलां क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब प्लेटफॉर्म नंबर-4 स्थित माल गोदाम रोड के पास दिल्ली मथुरा रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का खून से लथपथ शव मिला। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों और अन्य माध्यमों से भी संपर्क कर रही है। प्रारंभिक तौर पर कुछ लोगों ने युवक के चलती ट्रेन के सामने आने की आशंका जताई है, लेकिन पुलिस ने अभी किसी भी कारण की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना, आत्महत्या या अन्य किसी भी संभावना को ध्यान में रखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि यदि मृतक के संबंध में किसी के पास कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

होटल में पड़ी 12 किलोवाट की बिजली चोरी

- विद्युत प्रवर्तन दल एवं रेड्स टीम ने की कार्यवाही
- सात घरेलू परिसरों में 19 किलोवाट की चोरी मिली

मथुरा। विद्युत प्रवर्तन दल एवं रेड्स टीम ने अभियान के दौरान होटल सहित आठ स्थानों पर बिजली चोरी पकडी है। इसमें लाखों रुपये का जुर्माना संभावित है। मुख्यालय द्वारा बिजली चोरी रोकने एवं राजस्व वसूली के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, जेई किशन कुमार,उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह सहित टीम के सदस्यों ने सूचना पर रिफाइनरी गेट नंबर नौ स्थित वाणिज्यिक कनेक्शन को चेक किया तो होटल मोहित पैसेस में चेंज ओवर के माध्यम से चोरी होती मिली। करीब 12 किलोवाट लोड मिला। इसके अलावा विजिलेंस टीम ने रेड्स टीम के एई सतेन्द्र कुमार, जेई पवन सहित अन्य कर्मचारियों के साथ हाई लाइन लॉस फीडर के राल में अभियान चलाया। यहां सात स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। करीब 19 किलोवाट लोड मिला। टीम ने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया।

रुक्मिणी विहार के मुख्य गेट ई-रिक्शा चालकों ने दिया धरना

वृंदावन। रुक्मिणी विहार के मुख्य गेट पर रविवार को ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान चालकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारी-भरकम चालानों को रद्द करने और शहर में लागू रूट व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई। ई-रिक्शा एवं ऑटो चालक यूनियन के जिलाध्यक्ष राजकुमार कुशवाह ने बताया कि प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा चालकों के 20-20 हजार रुपये तक के चालान किए जा रहे हैं, जिससे गरीब चालकों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि पुराने चालान तत्काल रद्द किए जाएं और भविष्य में इस तरह की कार्रवाई बंद की जाए। यूनियन का कहना है कि शहर में लागू रूट नंबर व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को पूरे शहर में घुमाने में परेशानी होती है। कई बार यात्री पूरा ई-रिक्शा बुक करते हैं, लेकिन रूट प्रतिबंध की वजह से चालक उनकी मांग पूरी नहीं कर पाते, जिससे उनकी आमदनी पर भी असर पड़ रहा है। चालकों ने आरटीओ विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ई-रिक्शाओं की बढ़ती संख्या के लिए चालक नहीं, बल्कि प्रशासन जिम्मेदार है। उन्होंने मांग की कि अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, लेकिन नियमों का पालन कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे चालकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की नई कार्यकारिणी घोषित

मथुरा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मथुरा के वार्षिक सम्मेलन में कार्यकारिणी घोषित की गई। रविवार को होटल विनायक पैलेस में पूर्व सैनिकों की वार्षिक बैठक आयोजित हुई। संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह ने बताया कि मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर (सेवा निवृत्त) डॉ भुवनेश चौधरी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि ने कहा कि पूर्व सैनिकों का यह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक के घटक दल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। अतः सभी को राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना से कार्य करना है। बैठक की अध्यक्षता एस के सिंह पूर्व गोताखोर सुपरिटेंडेंट ने की तथा संचालन डॉ. रमेश चन्द पूर्व जेसीओ ने किया। बलबीर सिंह, राजेश, श्रीनिवास शर्मा, राजबीर, विजयपाल, भगवान सिंह, नेपाल सिंह, हरिओम, राजबहादुर, विक्रम सिंह, लाल चन्द कुशवाहा, ओमवीर सिंह, शिवगणेश, दिनेश, योगेश, उदयवीर आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने उठाया राम मंदिर में चंदा चोरी का मुद्दा, किया प्रदर्शन

मथुरा। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस महानगर इकाई के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए होलीगेट चौराहे पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उनका आरोप था कि राम मंदिर में कथित चंदा गड़बड़ी का मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क पर दिखी ई रिक्शा चालकों की बैचेनी, बेजां वसूली का आरोप

- ऑटो ई रिक्शा चालकों का आरोप है कि रूट वितरण के बाद भी उनके चालान काटे जा रहे है, 20 हजार तक की हो रही मांग
- पहले दिन आंशिकरूप से दिखा ऑटो, ई रिक्शा चलाकों की तीन दिवसीय हडताल का असर, कहीं जबरन रोके तो कहीं स्वेच्छा से ऑटो रखे बंद
- लॉक डाउन के बाद बडी संख्या में स्वरोजगार के तौर पर ऑटो ई रिक्शा चलाने लगे युवा

मथुरा। मथुरा वृंदावन महानगर सहित नगर निगम से जुड़े 10 रूटों पर चलने वाले करीब 27 हजार ऑटो ई रिक्शा चालकों ने रविवार से मंगलवार तक तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया था। रविवार को महानगर में हड़ताल का आंशिक असर देखने को मिला। खासकर वृंदावन के अंदर हड़ताल का कुछ असर जरूर देखने को मिला। पिछले साल नगर निगम ने मथुरा वृंदावन महानगर के अंदर चलने वाले ऑटो और ई रिक्शा के लिए रूट निर्धारण किया था। नगर निगम की ओर से कुल 10 रूट तय किये गये थे और रजिस्ट्रेशन शुल्क तीन हजार रुपये तय हुआ था। शुरुआत में सब ठीक रहा और नगर निगम की ओर से इस बात का व्यापक प्रचार प्रसार भी किया गया लेकिन निर्धारित तिथि तक कुछ ही ऑटो और ई रिक्शा चालकों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया। अंतिम तिथि निकलने के बाद नगर निगम ने पुलिस प्रशासन की मदद से रजिस्ट्रेशन नहीं कराने वाले वाहनों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए चालान और सीलिंग की कार्यवाही की। कार्यवाही से पैदा हुई हडबडाहट में एक साथ भारी संख्या में वाहन चालक अपना रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नगर निगम की ओर से धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड में रजिस्ट्रेशन के लिए जुटने लगे। यहां भीड़ का बेजां दबाव बनने पर कुछ लोगों ने इसका लाभ उठाना शुरू कर दिया और अतिरिक्त शुल्क के साथ रजिस्ट्रेशन होने की बातें भी अधिकारियों तक पहुंची। इसी बीच नगर निगम की ओर से प्रमुख रूटों पर रजिस्ट्रेशन बंद कर दिये गये और इसके पीछे तर्क दिया गया कि लक्ष्य के मुताबिक रजिस्ट्रेशन पूरे हो चुके हैं। यहीं से अवैध वसूली का खेल भी शुरू हुआ और ऑटो व ई रिक्शा चालकों की बेचैनी भी बढने लगी। हड़ताल का ऐलान हुआ और भारी तादाद में ऑटो और ई रिक्शा चालक रेलवे ग्राउंड में एकत्रित हुए। यहां से वह प्रदेश सरकार में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नरायण के मयूर विहार स्थित आवास पर पहुचे और जोरदार प्रदर्शन कर अपनी बात रखी। मंत्री के आश्वासन के बाद मामला रफा दफा हुआ। बताया गया कि इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक हुई और कुछ दिन के लिए सख्ती कम करने की बात हुई। इसके बाद मामला सामान्य हो गया। कुछ महीने बाद एक बार फिर नगर निगम की ओर से रूट नम्बर पर नहीं चलने और बिना रूट रजिस्ट्रेशन के नगर निगम की सीमा में सड़कों पर ऑटो और ई रिक्शा चलाने पर चालान और सीज करने की कार्यवाही होने लगी। लगातार भी बडी संख्या में वाहनों के सीज किये जाने के बाद फिर एक बार पहले जैसे हालात बनने लगे और ऑटो और ई रिक्शा चालकों ने हड़ताल का ऐलान कर दिया। ऑटो चालकों की ओर से आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि रूट रजिस्ट्रेशन होने के बाद भी पैसों की मांग की जा रही है। हालांकि रूट का रजिस्ट्रेशन एक साल के लिए ही मान्य था। चालकों का कहना है कि समय सीमा समाप्त होने से पहले की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। के ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों और पुलिस उत्पीड़न के विरोध में तीन दिवसीय हड़ताल का बड़ा ऐलान कर दिया है। चालकों का आरोप है कि रूट प्रणाली के नाम पर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है और भारी-भरकम चालान काटे जा रहे हैं। इस तीन दिवसीय महाहड़ताल के कारण धर्मनगरी में वीकेंड पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिपाही की मौत में हत्या या आत्महत्या, जांच कर रही पुलिस

- 12 साल से केनरा बैंक की सुरक्षा में तैनात था मृतक सिपाही
- अजीत वर्तमान में थाना हाईवे क्षेत्र की बालाजीपुरम कॉलोनी में परिवार के साथ रह रहे थे

मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित सिविल लाइन इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में सिपाही की गोली लगने से मौत की घटना को अधिकारियों ने गंभीरता से लिया है। अकेले में हुई इस घटना को पुलिस अधिकारी हत्या या आत्महत्या के कोण से देख रहे हैं। मामले में जांच चल रही है, पोस्मार्टम रिपोर्ट पर भी संज्ञान लिया गया, पुलिस दूसरे पहलुओं पर भी जांच कर रही है। एटा के थाना पिलुआ क्षेत्र के गांव गड्डुआ के रहने वाले 42 वर्षीय अजीत के गोली गर्दन में खुद के पास मौजूद सरकारी राइफल से ही लगी थी। गले में गोली लगने के कारण अजीत की मौत हो गई। 12 साल से केनरा बैंक की सुरक्षा में तैनात था। सिपाही को गोली लगने की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मी सिपाही को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसपी सिट राजीव कुमार सिंह ने बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि शनिवार को समय करीब 19.40 बजे पुलिस लाइन जनपद मथुरा कैनरा बैंक गार्ड में तैनात मुख्य आरक्षी योगेन्द्र कुमार द्वारा सूचना दी गई कि मुख्य आरक्षी अजीत कुमार द्वारा गार्ड रूम में अकेले रहने के दौरान उनके कमरे से फायर की आवाज पर ड्यूटी के दौरान मुख्य आरक्षी योगेन्द्र कुमार द्वारा देखा गया तो अजीत कुमार घायल अवस्था में पडे हुए थे। जिनको तत्काल उपचार हेतु जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पर मुख्य आरक्षी अजीत कुमार को मृत घोषित किया गया है। इसमें तत्काल प्रारम्भिक जांच के लिए फील्ड यूनिट को बुलाया गया वैधानिक साक्ष्य संकलित किये जा रहे हैं और अकेले रहने के दैरान ये घटना, दुर्घटना है या आत्महत्या इसके पहलुओं की जांच की जा रही है व पंचायतनामा की की कार्यवाही प्रचलित है।

रवि वर्मा निष्कासित, नीरज बने राष्ट्रीय हनुमान दल के नगर अध्यक्ष

मथुरा। राष्ट्रीय हनुमान दल कोर कमेटी व राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत ने राष्ट्रीय हनुमान दल में हिन्दू समाज के प्रति श्रद्धा और समाज के प्रति भावना को देखते हुए राया निवासी नीरज शर्मा को राया का नगर अध्यक्ष बनाया है। जिसको लेकर ब्रज क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशाल पाराशर जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी युवा जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह कुलदीप सिंह हरिओम चौधरी पकुलदीप शास्त्री सुमित चौधरी सहित प्रदेश मिडिया प्रभारी प्रदीप अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनायें दी वही संगठन के प्रति प्रतिकूल गतिविधियों अनुशासनहीनता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत ने रविकांत वर्मा को नगर अध्यक्ष पद व अन्य सभी दायित्वों से निष्कासित करते हुए कार्यमुक्त किया है।

भाकियू चढ़ूनी का बिजली विभाग के खिलाफ कल 'हल्लाबोल'

- भाकियू चढ़ूनी का बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर कार्यालय पर प्रदर्शन कल
- अमेरिका भारत ट्रेड डील के विरोध में बाइक रैली निकलेगी 15 को
- आंदोलन को सफल बनाने को गांव गांव कर रहे हैं यूनियन के पदाधिकारी बैठक

बलदेव। अमेरिका- भारत ट्रेड डील और जनपद की विद्युत अव्यवस्थाओं के खिलाफ भाकियू चढ़ूनी ने धरना प्रदर्शन करने की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। बिजली अव्यवस्थाओं को लेकर चीफ इंजीनियर कार्यालय मथुरा कैंट पर धरना प्रदर्शन 14 जुलाई और अमेरिका- भारत ट्रेड डील के विरूद्ध 15 जुलाई को बाइक रैली निकाल कर शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर यूनियन के पदाधिकारी गांवों में जाकर किसानों के मध्य बैठकें कर प्रदर्शन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। रविवार को बलदेव के अवैरनी कैंप कार्यालय पर राधेश्याम सिकरवार की अध्यक्षता में बैठक कर भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर विस्तार से चर्चा की गई। आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर, जिला अध्यक्ष संजय पाराशर, मंडल उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह परिहार ने कहा अमेरिका भारत प्रस्तावित ट्रेड डील के खिलाफ गोवर्धन तहसील एवं महावन तहसील तक बाइक रैली निकाल कर डील का विरोध किया जाएगा। प्रदेश महासचिव सतीश, प्रदेश सचिव कुंतभोज, सोनवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर, तुलसी दास ने कहा कि यह ट्रेड डील किसानों,पशुपालकों, छोटे व्यापारियों तथा देश की खाद्य एवं आर्थिक संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है। यदि यह समझौता लागू होता है तो भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए इस समझौते का पुरजोर विरोध किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने बिजली की अव्यवस्थाओं को लेकर आक्रोश जताया। मंडल प्रवक्ता गौरव तोमर, जिला उपाध्यक्ष सोनवीर सिंह ने कहा बिजली विभाग में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं,उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। समय पर बिजली बिल नहीं बन रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अघोषित कटौती ने लोगों की नाक में दम कर दिया है। बैठक में योगेन्द्र सिंह महावीर सिंह, रामप्रकाश पुजारी, हरिओम सिंह परिहार, कन्हैया , पंचम सिंह, राजू, बच्चू , महेंद्र सिंह, बीरो, शिवकुमार, नरेश, धर्मवीर, प्रीतम, नरेश, महाराज सिंह, प्रमोद, रामकुमार, रामशरण , छत्रर सिंह, भरत , रामशरण, रिशाल आदि मौजूद रहे। संचालन जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने किया।

कई शहरों से गोकुल पहुंचे 350 स्वयंसेवकों ने की घाटों की सफाई

चिंता हरण महादेव घाट और श्री नंद भवन (84 खंभा) परिसर में किया श्रमदान

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन एवं हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे श्हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान के अंतर्गत रविवार को महावन स्थित चिंता हरण महादेव घाट और श्री नंद भवन (84 खंभा) परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। अभियान की खास बात यह रही कि स्वयंसेवक केवल मथुरा ही नहीं, बल्कि दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, इटावा, हाथरस और भरतपुर से भी सेवा के लिए पहुंचे। उन्होंने तीर्थ स्थलों की सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान का नेतृत्व उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने किया। शुभारंभ हार्टफुलनेस ध्यान से हुआ। इसके बाद स्वयंसेवकों ने दोनों स्थलों पर सफाई कर स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया। हार्टफुलनेस के मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि आंतरिक शुद्धि और बाहरी स्वच्छता एक-दूसरे की पूरक हैं। जब मन निर्मल होता है, तभी सेवा का भाव जागृत होता है। उन्होंने कहा कि ब्रज करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसकी स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हार्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश रीजनल कोऑर्डिनेटर अनुपम अग्रवाल ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बचने और पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही ब्रज की पावन धरोहर सुरक्षित रह सकती है। स्वयंसेवकों ने श्रमदान के साथ स्थानीय लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सभी ने ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया। अभियान के बाद जेसीबी और ट्रेक्टर ट्रॉली की मदद यह एकत्रित कूड़ा हटाया गया। अभियान में सुरेंद्र शर्मा, योगेंद्र कुमार, प्रीति भान, के.पी. सिंह, नीरज निगम, रश्मी, रमेश वर्मा, आर.पी. शर्मा, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. ज्ञानेंद्र और रक्षा सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सहयोग किया।

जोन स्तरीय निरंकारी बाल समागम का हुआ आयोजन

- नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रेरक प्रस्तुतियां दी
- बच्चों को बाल उम्र में ही सत्संग से जोड़ें : गगन भाटिया

मथुरा। सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से दिल्ली आगरा हाइवे स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर जोनल स्तरीय निरंकारी बाल समागम आयोजित किया गया। जिसमें खुर्जा, भवानीपुर, अलीगढ़, सौरो, कासगंज, सादाबाद, पुरदिलनगर, हाथरस, फरह, कोसीकलां, वृंदावन सहित मथुरा जिले के सैंकड़ों बच्चों को आध्यात्मिक संस्कारों से सजाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रेरक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। बच्चों ने गीत, भजन, कविताएं और लघु नाटक के साथ प्रेरक विचार व्यक्त कर भरपूर वाह-वाही बटोरी। छोटे-छोटे बच्चों ने बड़ी और गहरी बातें कर यह अहसास करा दिया कि जैसी संगत होती है वैसी रंगत चढ़ती है। दिल्ली से आए मुख्य अतिथि निरंकारी संत गगन भाटिया ने कहा कि आज सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्गदर्शन में बच्चों को बुराई से बचाने के लिए सत्संग से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चे मन के सच्चे बने रहे इसके लिए उन्हें दूषित वातावरण से बचाना होगा, उन्हें सत्संग से जोड़ना होगा, क्योंकि सत्संग से सकारात्मक भाव पनपते है। जब अभिभावक बच्चों को बाल उम्र में ही सत्संग से जोड़ेंगे तो बच्चे दूषित वातावरण से बच जायेंगे। इसलिए शारीरीक बल के लिए खेलकूद और बौद्धिक विकास के लिए स्कूली शिक्षा तथा आत्मिक कल्याण और जीवन सुधार के लिए निरंतर सत्संग जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए। माता पिता, बड़ों एवं शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। जोनल इंचार्ज एचके अरोड़ा एवं बाल संगत की इंचार्ज उर्वशी त्रिपाठी ने बच्चों को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। संचालन युवा भक्त यश तनवानी और कुमारी नेहा ने किया। मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि मथुरा में हर रविवार को साप्ताहिक मुख्य सत्संग के साथ ही बच्चों के लिए बाल संगत होती है।

बाथरूम के दरवाजे में छेद से बनाता था वीडियो-फोटो, पीडोफीलिया का शिकार हो सकता है आरोपी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में परिवार की बच्चियों और युवतियों के अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें गूगल में सेव करने के आरोपी चमनगंज निवासी युवक ने पुलिस को बताया कि उसने बाथरूम के दरवाजे में छेद कर रखा था। जब भी कोई बच्ची या युवती भीतर जाती, तो उसी छेद पर मोबाइल लगाकर वह उनके अश्लील वीडियो बना लेता। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह घर आने वाली महिला रिश्तेदारों के भी वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर चुका है। पुलिस को आरोपी का एक और मोबाइल मिला है। फिलहाल, दोनों मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। बता दें कि शुक्रवार को सेंट्रल जोन की पुलिस ने चमनगंज निवासी युवक को पकड़ा था।

गूगल पर सेव किए थे अश्लील वीडियो : उसने 15 से 20 अश्लील वीडियो गूगल पर सेव किए थे। कुछ दिन पहले ही घरवालों की नजर बाथरूम के दरवाजे पर बने छेद पर पड़ी तो उन्होंने दरवाजा ही बदलवा दिया था। इसके बाद भी अक्सर आरोपी रात में अपना मोबाइल बाथरूम में छिपाकर वीडियो बना रहा था। चमनगंज पुलिस का कहना है कि फिलहाल कोई और शिकायत नहीं मिली है।

पुलिस की किरकिरी, आरोपी को जमानत : पुलिस की जल्दबाजी एक बार फिर उसके लिए ही किरकिरी का सबब बन गई। चमनगंज निवासी युवक के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 75 और 77 के अलावा पॉक्सो एक्ट की धारा 7-8 में मामला दर्ज किया था। शनिवार को जब आरोपी को कोर्ट में प्रस्तुत किया तो सभी धाराएं जमानती पाई गई।

साक्ष्य जुटाकर धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी : इस पर कोर्ट से उसे जमानत मिल गई। पुलिस का कहना है कि आरोपी के परिजन भी उसके खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं। थाना प्रभारी रिकेश सिंह का कहना है कि मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य जुटाकर धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी।

पीडोफीलिया का शिकार हो सकता आरोपी : हैलट अस्पताल के मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि युवक पीडोफीलिया (मानसिक और यौन विकृति) बीमारी का शिकार लग रहा है।

पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल भी जरूरी: एसडीएम

चौमुहां। कस्बा चौमुहां में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण महा-अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्मा जी की पावन नगरी स्थित ब्रह्मवन में उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार और चेयरमैन प्रतिनिधि ठाकुर कारे बाबा ने संयुक्त रूप से पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एसडीएम अखिलेश कुमार ने पर्यावरण और मानव जीवन के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं, जिनसे न केवल ऑक्सीजन मिलती है बल्कि हमारी जलवायु भी शुद्ध रहती है। उपजिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि केवल पौधा लगा देने से हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। असली जिम्मेदारी उन पौधों को सुरक्षित रखने और उनके बड़े होने तक उचित देखभाल करने की है। ब्रह्मवन को एक प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। एसडीएम ने घोषणा की कि वन क्षेत्र को और अधिक सुंदर व सुरक्षित बनाने के लिए जल्द ही बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही यहां अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को भी सहेजा जाएगा। इन सभी विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। चेयरमैन प्रतिनिधि ठाकुर कारे बारे ने क्षेत्र के विकास को लेकर प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि ब्रह्मवन के सुंदरीकरण से चौमुहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भगवान श्री कृष्ण और ब्रह्मा जी की इस पावन स्थली पर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण का आनंद मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने संकल्प दोहराया कि नगर पंचायत चौमुहां को हर बुनियादी सुविधा से लैस कर एक आदर्श और विकसित नगर पंचायत बनाया जाएगा। इस मौके पर भूरी सैनी, रमेश, नरेश, राजू, भरत, राहुल, गोलू, लोकेश सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई मशीन का किया शुभारंभ

आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के अटल इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज़, चमियाना (एआईएमएसएस) में अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई सुविधा का शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला के बाद एआईएमएसएस प्रदेश का दूसरा सरकारी स्वास्थ्य संस्थान बन गया है, जहां यह उन्नत इमेजिंग तकनीक उपलब्ध करवाई गई है। लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई मशीन बेहतर गुणवत्ता की इमेजिंग, कम समय में जांच तथा अधिक सटीक निदान की सुविधा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से सुसज्जित करना वर्तमान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस उन्नत एमआरआई सुविधा के शुरू होने से विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों की निदान क्षमता अत्यधिक सुदृढ़ होगी, जिससे चिकित्सकों को जटिल बीमारियों का अधिक प्रभावी ढंग से पता लगाने और उनका उपचार करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब मरीजों को एमआरआई जांच के लिए संस्थान से बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत होगी तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं तथा इन दोनों महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए धन की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत चिकित्सकों से व्यापक विचार-विमर्श के पश्चात् पूरे प्रदेश में चिकित्सा तकनीक को उन्नत बनाने के लिए व्यापक सुधार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को सस्ती, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार जहां एक ओर चिकित्सकों के रिक्त पद भर रही है, वहीं दूसरी ओर सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और आधुनिक निदान उपकरणों से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग्य चिकित्सकों को सरकारी सेवाओं में बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी वेतनमान भी प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा के कारण वर्षों तक पुराने चिकित्सा उपकरणों का उपयोग होता रहा। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी शिमला में 19 वर्ष पुरानी एमआरआई मशीन को हटाकर आधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई प्रणाली स्थापित की गई है तथा आने वाले वर्षों में प्रदेश के अन्य सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में भी इसी प्रकार की उन्नत मशीनें स्थापित कर दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में 125 करोड़ रुपये की लागत से स्वचालित (ऑटोमेटेड) प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जहां अत्याधुनिक और पूरी तरह स्वचालित जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जांच की सटीकता बढ़ेगी और मरीजों के उपचार में उल्लेखनीय सुधार होगा। श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार एआईएमएसएस को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी यहीं शुरू की गई थी, जिसके पश्चात् डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा, आईजीएमसी शिमला तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नेरचौक में भी रोबोटिक सर्जरी सुविधा आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध करवा रही है, जबकि निजी अस्पतालों में यह उपचार अत्यंत महंगा होता है। इसी प्रकार एमआरआई और पैट स्कैन जैसी जांच भी प्रदेश में न्यूनतम दरों पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधारों के माध्यम से सभी जांचों के लिए शून्य प्रतीक्षा अवधि सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने एआईएमएसएस चमियाना में चिकित्सकों के साथ बैठक कर संस्थान की कार्यप्रणाली की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि चमियाना संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और इसके लिए आवश्यक धनराशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवा दी गई है। संस्थान तक बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने के लिए ई-बस सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि संस्थान में सीनियर रेजिडेंट के पदों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही सरकार 800 नर्सिंग पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है तथा दिसंबर तक 200 एसोसिएट प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एआईएमएसएस मोबाइल एप्लीकेशन का भी शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से मरीज संस्थान और उसकी विभिन्न सेवाओं से संबंधित समस्त जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने संस्थान की स्वच्छता निगरानी प्रणाली का भी शुभारंभ किया, जिससे अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, विधायक हरीश जनारथा, नगर निगम शिमला महापौर सुरेन्द्र चौहान, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी, एआईएमएसएस के प्रधानाचार्य डॉ. बृज शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

डीयू में 4 वर्षीय ग्रेजुएशन के चौथे साल में बदला क्रेडिट सिस्टम; नए फैसले से नाराज हुए प्रोफेसर

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (यूजीसीएफ-2022) के चौथे वर्ष में रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप को अधिक महत्व देने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, अब सातवें और आठवें सेमेस्टर में डिसर्टेशन, अकादमिक प्रोजेक्ट और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रैक के लिए पहले के छह की जगह 10-10 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। दोनों सेमेस्टर के मिलाकर 20 क्रेडिट इस तरह दोनों सेमेस्टर मिलाकर इन ट्रैक के कुल क्रेडिट 20 हो जाएंगे। वहीं इस निर्णय का इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने विरोध किया है। इंटेक के चेयरमैन पंकज गर्ग का कहना है कि शिक्षण कार्यभार में होने वाली 8 क्रेडिट की कमी के मुद्दे पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के तहत दो कोर पाठ्यक्रमों को समाप्त कर उनके स्थान पर रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए क्रेडिट 12 से बढ़ाकर 20 निर्धारित किए गए हैं और रिसर्च के क्रेडिट कार्यभार में शामिल नहीं किए जाते हैं। इस परिवर्तन से शिक्षण कार्यभार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा अनावश्यक रूप से शिक्षकों के पदों में कमी आने की आशंका है। विश्वविद्यालय को तत्काल निर्णय लेते हुए डिसर्टेशन-प्रोजेक्ट के लिए निर्धारित 20 क्रेडिट को शिक्षण कार्यभार की गणना में शामिल करना चाहिए, ताकि शिक्षण कार्यभार सुरक्षित रहे और किसी भी शिक्षक के पद पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

नई व्यवस्था के तहत चौथे वर्ष में डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (डीएससी) के कुछ पाठ्यक्रमों को डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डीएसई) पूल में स्थानांतरित किया गया है। छात्रों को प्रत्येक सेमेस्टर में तीन पाठ्यक्रम चुनने की सुविधा मिलेगी। वे तीन डीएसई, या दो डीएसई के साथ एक जनरल इलेक्टिव (जीई), अथवा एक डीएसई और दो जीई का विकल्प चुन सकेंगे।

आप और आईवीपी से आए पार्षदों को मिला इनाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी के वार्ड कमेटियों के चुनाव में भाजपा आप और इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी से आए पार्षदों पर खूब मेहरबान दिखी है। भाजपा ने आप और से आए पार्षदों को तीन वार्ड समितियों में चेयरमैन और तीन वार्ड समितियों में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है।

वहीं, इन्हीं दोनों पार्टियों के दो पार्षदों को स्थायी समिति के सदस्य के रूप में भी नामांकित कर दिया। इससे करीब 12 वार्ड कमेटियों के चुनाव में 27 में से आठ पार्षद वे हैं, जो आप के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए थे, लेकिन वे पहले और कुछ अभी भाजपा में शामिल हुए।

शामिल होने के बाद उन्हें चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और स्थायी समिति का सदस्य तक का पद मिल गया। जबकि तीन बार और दो बार भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए पार्षद मुंह ताकते रह गए। जिन आप से आए पार्षदों को तीन जोन में चेयरमैन पद पर चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी भाजपा ने दी है, उसमें दक्षिणी जोन में धर्मवीर सिंह, सिटी एसपी जोन से ऊषा शर्मा और रोहिणी जोन में सुमन अनिल राणा का नाम शामिल हैं।

वहीं, आप से आए तीन पार्षदों को भाजपा ने वार्ड कमेटियों के डिप्टी चेयरमैन का प्रत्याशी बना दिया है। इसमें पश्चिमी जोन में सुनील कुमार चड्ढा आप के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव जीतकर आए थे। इसी प्रकार नरेला जोन में दिनेश भारद्वाज भी पहले आप में थे और फिर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में चले गए थे।

भाजपा में शामिल होते ही प्रत्याशी: वह शुक्रवार को सुबह भाजपा में शामिल हुए और दोपहर को भाजपा ने उन्हें नरेला जोन में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया। मध्य जोन में भी आप से आए प्रवीण कुमार को भाजपा ने डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है। इसी प्रकार स्थायी समिति जैसी महत्वपूर्ण समिति में सदस्य पद पर जाने वालों में मध्य जोन से हेमचंद्र गोयल का नाम है। वह आप से में गए थे और भाजपा में शुक्रवार की सुबह ही शामिल हुए थे।

शामिल होने के दो घंटे बाद भाजपा ने उन्हें स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित कर दिया। इसी प्रकार नरेला जोन में आप से आए पवन सहरावत को भी भाजपा ने स्थायी समिति में सदस्य बनाकर भेजा है। हालांकि, सहरावत को भाजपा ने इनाम दिया है, क्योंकि सहरावत के वोट के कारण ही वर्ष 2023 में हुए स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव में भाजपा अपने तीन सदस्य जिताने में कामयाब हुई थी। भाजपा के पार्षद वैसे तो आप से आए पार्षदों को निगम में जिम्मेदारी मिलने से नाराज हैं, लेकिन खुलकर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

क्योंकि चुनाव से पहले भी भाजपा ने कई आप और कांग्रेस के नेताओं को टिकट दे दिया था और अब आप से आए पार्षदों को लगातार तवज्जो दी जा रही है। एक

40 कनिष्ठ अभियंताओं को जल शक्ति विभाग में सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर मिली पदोन्नति

शिमला। जल शक्ति विभाग द्वारा 40 कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने कहा कि 08 जुलाई, 2026 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में पात्र कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता (सिविल) के स्वीकृत रिक्त पदों पर पदोन्नत करने की अनुशंसा की गई थी।

उन्होंने बताया कि इनमें डिप्लोमा धारक श्रेणी से 22 तथा स्नातक/एएमआईई श्रेणी से 18 कनिष्ठ अभियंताओं के नाम शामिल हैं। श्रेणीवार अनुशंसित पदोन्नतियों में सामान्य वर्ग के 21, अन्य पिछड़ा वर्ग के 6, अनुसूचित जाति के 9 तथा अनुसूचित जनजाति के 4 अधिकारी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, 12 कनिष्ठ अभियंताओं को एसडीओ के पदों पर पदोन्नत किया गया है। यह पदोन्नतियां निकट भविष्य में रिक्त होने वाले एसडीओ के पदों के विरुद्ध की गई हैं।

उन्होंने कहा कि इन पदोन्नतियों से विभाग की प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी पदों पर अनुभवी अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ बनेगी।

उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग प्रदेश में पेयजल आपूर्ति, सिंचाई एवं जल संसाधनों के विकास, संचालन और रख-रखाव का कार्य करता है। विभाग प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुचारू सेवाएं उपलब्ध करवाने मे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पदोन्नतियां उच्च न्यायालय में दाखिल विभिन्न याचिकाओं पर न्यायालय के अंतिम निर्णय के आधार पर प्रभावी होंगी।

उन्होंने कहा कि इन पदोन्नतियों के माध्यम से विभाग अपनी संस्थागत

7 साल में साफ होगी दिल्ली की हवा 8300 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को जानलेवा प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए दिल्ली सरकार और वर्ल्ड बैंक ने मिलकर अब तक की सबसे बड़ी सात वर्षीय कार्ययोजना तैयार की है। ''स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली'' नाम के इस मेगा प्रोजेक्ट पर कुल 8,300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इसके तहत वर्ल्ड बैंक 65 प्रतिशत राशि लोन के रूप में देगा, जबकि बची हुई 35 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार खुद वहन करेगी। शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की ओरिएंटेशन कार्यशाला का शुभारंभ किया, जहां वर्ल्ड बैंक के कंट्री हेड पाल प्रोसी ने सीएम को वित्तीय ग्रांट सुविधा की औपचारिक मंजूरी का पत्र सौंप दिया। यह प्रोजेक्ट सितंबर 2026 से शुरू होकर अगस्त 2033 तक दिल्ली के सभी जिलों में लागू रहेगा। सरकार का दावा है कि इस भारी-भरकम बजट का इस्तेमाल तात्कालिक राहत के लिए नहीं, बल्कि राजधानी की हवा को हमेशा के लिए साफ करने के दीर्घकालिक और वैज्ञानिक ढांचे पर किया जाएगा। सड़कों से हटेंगे पुराने वाहन, बढ़ेगी निगरानी प्रदूषण को जड़ से खत्म करने के लिए इस योजना को दो मुख्य मोर्चों पर लागू किया जा रहा है। पहले चरण में प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर कड़ा प्रहार होगा। इसके तहत दिल्ली की सड़कों से बेहद पुराने और अत्यधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। मजबूत किया जाएगा। साथ ही, सड़कों और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और कचरा प्रबंधन के लिए भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

दूसरी तरफ, प्रदूषकों पर नजर रखने के लिए एक अत्याधुनिक ''इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर'' और आधुनिक एयर क्वालिटी मानिटरिंग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे डेटा के आधार पर तुरंत एक्शन लिया जा सके।

विभागों की खींचातानी होगी खत्म

अक्सर दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के दौरान अलग-अलग विभागों के बीच तालमेल की कमी दिखती है। इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने एक समर्पित ''प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट'' (पीएमयू) बनाई है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि वायु गुणवत्ता को सुधारना किसी एक महकमे का काम नहीं है।

इसीलिए पर्यावरण, परिवहन, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीपीसीसी और जल बोर्ड को एक साझा लक्ष्य से जोड़कर उनकी जवाबदेही तय की जा रही है। सरकार को उम्मीद है कि दिल्ली का यह क्लीन एयर माडल आने वाले समय में देश के अन्य प्रदूषित शहरों के लिए एक नजीर बनेगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, केंद्र सरकार के आर्थिक विभाग के प्रतिनिधि और वर्ल्ड बैंक के अन्य प्रतिनिधि सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

दिल्ली में 1 अगस्त से महिलाओं की फ्री बस यात्रा पर नया नियम, बिना पिंक सहेली कार्ड देना होगा किराया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार द्वारा पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य किए जाने के बाद्र एक अगस्त से दिल्ली में महिला यात्री मुफ्त बस सेवा का लाभ नहीं उठा पाएंगी। महिला यात्रियों द्वारा पिंक सहेली कार्ड को अपनाने की धीमी गति को देखते हुए, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपनी बसों में एक विशेष अभियान भी शुरू किया है, जिसमें महिलाओं को कार्ड बनवाने की सलाह दी गई है। डीटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक एक अगस्त से, पिंक टिकट केवल उन महिला यात्रियों को जारी किए जाएंगे जिनके पास वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड है, जिसे उन्हें बस में चढ़ते समय टैप करना होगा। ये महिला यात्री योजना की शर्तों के अनुसार मुफ्त बस सेवा का लाभ उठाना जारी रख सकेंगी। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा कागज आधारित पिंक टिकट को धीरे-धीरे बंद करने और मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाने के लिए स्मार्ट कार्ड आधारित प्रणाली पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए एक अगस्त से, जिन महिला यात्रियों के पास पिंक सहेली कार्ड नहीं है, उन्हें पिंक टिकट जारी नहीं किए जाएंगे और उन्हें डीटीसी और

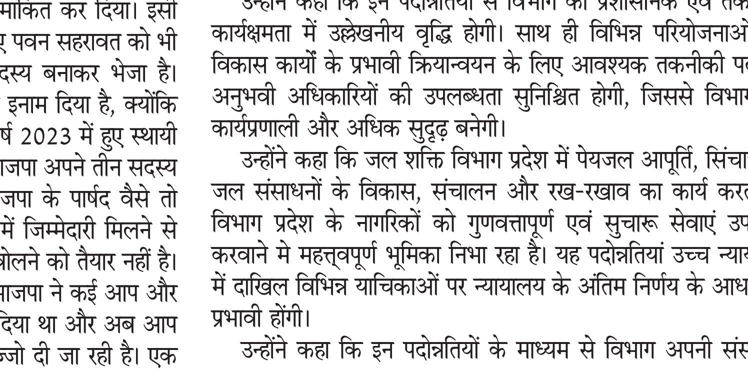

परिवहन विभाग (क्लस्टर) की बसों में यात्रा करने के लिए लागू किराया देकर सामान्य टिकट खरीदना होगा। डीटीसी द्वारा जारी एक आदेश में यह भी कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड जारी करने की सुविधा के लिए शहर भर में 50 अधिकृत केंद्र स्थापित किए हैं। योजना के तहत सभी पात्र महिलाएं परिवहन विभाग और डीटीसी द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अधिसूचित केंद्रों और काउंटरों से पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड प्राप्त कर सकती हैं। इसमें आगे कहा गया है। अब तक शहर भर में लगभग 11 लाख कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, और सरकार का लक्ष्य जुलाई के अंत तक इस संख्या को 13 लाख तक बढ़ाना है।

द्वारका को निवेश का बड़ा हब बनाने की तैयारी, एलजी तरनजीत सिंह संधू ने निवेशकों से की चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। कुतुब गोल्फ कोर्स परिसर में बृहस्पतिवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने विकसित दिल्ली को लेकर निवेशकों संग संवाद किया। इस दौरान द्वारका को एक बड़े आर्थिक और व्यावसायिक केंद्र के तौर पर विकसित करने के उपायों पर चर्च की गई। उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि एशिया के सबसे बड़े नियोजित उप-नगरों में से एक होने के नाते, द्वारका निवेश के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर उभरने की अनूठी

स्थिति में है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास होना, बेहतरीन कनेक्टिविटी और विकसित होता शहरी इकोसिस्टम मिलकर इसे अलग-अलग सेक्टर में निवेश के लिए तैयार करते हैं, जिससे कामर्स, हास्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अवसर पैदा होते हैं। निवेशकों ने बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और इनोवेशन सुविधाओं, एक सुव्यवस्थित सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और आसान अनुमोदन प्रक्रियाओं के ज़रिए द्वारका और दिल्ली में निवेशकों के लिए ज़्यादा अनुकूल इकोसिस्टम बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हास्पिटैलिटी, टूरिज्म और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने, नॉलेज-बेस्ड इंडस्ट्रीज़, आइटी, आइटीईएस और जीसीसीएस को प्रोत्साहन देने, रिसर्च और डेवलपमेंट को मजबूत करने, पर्याप्त होटल क्षमता के साथ यशोभूमि और भारत मंडपम जैसे एमआइसीई इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाने की जरूरत पर भी जोर दिया। निवेशकों की ओर से मिले रचनात्मक सुझावों पर उपराज्यपाल ने कहा कि शहरी जरूरतों के अनुसार फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) सहित योजना और विकास के नियमों की समीक्षा करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि निवेश डेस्टिनेशन के तौर पर दिल्ली की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सेक्टर-विशिष्ट नीतिगत उपायों की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस'' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि प्रशासन एक पारदर्शी, कुशल और निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। जिससे सतत विकास को गति मिलेगी, रोजगार सृजित होगा और ''विकसित दिल्ली'' की ओर दिल्ली के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव और 6 किमी लंबे इको ट्रेल का किया शुभारंभ

भोरमदेव में इको-टूरिज्म को मिली नई पहचान

रायपुर (वीएनएस)। कबीरधाम जिले के भोरमदेव अभ्यारण्य में प्रकृति संरक्षण और इको-टूरिज्म को नई पहचान देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज जंगल सफारी में वन महोत्सव और भोरमदेव इको ट्रेल का शुभारंभ किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, वन विभाग के कर्मचारियों और ग्रामीणों के साथ लगभग 6 किलोमीटर लंबी भोरमदेव इको ट्रेल का भ्रमण कर जंगल की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और रोमांचक वन यात्रा का अनुभव लिया। प्राकृतिक पर्यावरण में की जाने वाली एक जिम्मेदार यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना वहां के प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों का संरक्षण करना, और स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से लाभ पहुँचाना है।

भोरमदेव क्षेत्र अनमोल प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध – उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव अभ्यारण्य में जंगल सफारी शुरू होने के बाद पर्यटक अब जंगल के अंदर जाकर प्रकृति का करीब से आनंद ले रहे हैं। अब आज से शुरू हुई भोरमदेव इको ट्रेल भी पर्यटकों को घने जंगल, प्राकृतिक सुंदरता और वन्य जीवों के बीच एक नया और यादगार अनुभव देगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने भोरमदेव क्षेत्र को अनमोल प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला और सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। भोरमदेव में पर्यटन सुविधाओं के बढ़ने से यहां अधिक पर्यटक आएंगे। इससे होटल, वाहन, खान-पान, हस्तशिल्प और अन्य छोटे-बड़े व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी – उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पर्यटन बढ़ने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। अभी भी कई युवा जंगल सफारी में नेचर गाइड बनकर पर्यटकों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आने वाले समय में ऐसे अवसर और बढ़ेंगे, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि साल भर यहां पर्यटन गतिविधियां तेजी से चलने की संभावना है, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। श्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव का विकास तभी सफल होगा, जब स्थानीय लोग इसे अपनी धरोहर मानकर इसकी सुरक्षा करेंगे। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

स्वदेश दर्शन योजना से बदलेगी भोरमदेव की तस्वीर– उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत भोरमदेव क्षेत्र के समग्र पर्यटन विकास के लिए 146 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। इस राशि से प्रवेश द्वार, शेड, संग्रहालय, आधुनिक पार्क, पार्किंग, मेला स्थल, छेरकी महल, मड़वा महल, रामचूंआ और सरोदा बांध सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से भोरमदेव राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

6 किलोमीटर लंबी इको ट्रेल में मिलेगा प्रकृति के बीच रोमांच

वन विभाग द्वारा विकसित भोरमदेव इको ट्रेल लगभग 6 किलोमीटर लंबी है, जिसे पूरा करने में करीब 3 से 4 घंटे का समय लगता है। ट्रेल के दौरान पर्यटक प्राकृतिक वन, मनमोहक दृश्य, पक्षियों और तितलियों का अवलोकन, औषधीय वनस्पतियों की जानकारी तथा प्रशिक्षित नेचर गाइड के साथ सुरक्षित वन भ्रमण का आनंद ले सकेंगे।

बैगा समुदाय के हितग्राहियों को किया सोलर लालटेन वितरण वन महोत्सव के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने करिया आमा ग्राम में 51 काला आम के पौधों का रोपण कर काला आम उपवन की स्थापना की। इसके साथ ही जिलेभर में 50 हजार सीड बॉल रोपण अभियान का शुभारंभ किया।

जिले में एक लाख पौधों के वितरण अभियान की शुरुआत करते हुए ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में बैगा समुदाय के 100 हितग्राहियों को सोलर लालटेन और जैकेट भी वितरित की गई।

भोरमदेव ईको ट्रेल हर शनिवार और रविवार को होगी आयोजित भोरमदेव ईको ट्रेल का संचालन करियाआमा गेट स्थित भोरमदेव ईको कैंप से प्रत्येक शनिवार और रविवार को किया जाएगा। वन मंडलाधिकारी श्री निखिल अग्रवाल ने बताया कि अनुभवी नेचर गाइड के साथ प्रतिभागियों को जंगल भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान वे पेड़-पौधों, औषधीय वनस्पतियों, पक्षियों, तितलियों, वन्यजीवों, स्थानीय भोजन, भोरमदेव मंदिर विरासत परिसर के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

ईको ट्रेल में भाग लेने के लिए 1 हजार रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल, छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण सदस्य श्री भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, डॉ वीरेन्द्र साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महानदी में दो बच्चों की जान बचाने वाले युवक का शव बरामद, साहसिक प्रयास के दौरान डूब गया था

अभनपुर (वीएनएस)। गोबरा नवापारा नगर के नेहरू घाट स्थित महानदी में दो बच्चों की जान बचाने के दौरान डूबे युवक का शव रविवार तड़के नदी किनारे शनि मंदिर के पीछे बरामद हुआ। शनिवार को हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों ने देर शाम तक तलाश अभियान चलाया था, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा था। जानकारी के अनुसार, गोबरा नवापारा के इंदिरा मार्केट निवासी प्रदीप कश्यप (35) शनिवार दोपहर अपनी पत्नी के साथ नेहरू घाट पहुंचे थे। इसी दौरान नदी में स्नान कर रहे दो बच्चे गहरे पानी में फंसकर डूबने लगे। बच्चों को संकट में देखकर प्रदीप कश्यप बिना देर किए नदी में कूद पड़े और साहस का परिचय देते हुए दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, बच्चों की जान बचाने के बाद प्रदीप स्वयं तेज बहाव और गहरे पानी की चपेट में आ गए और देखते ही देखते नदी में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गोबरा नवापारा पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे तथा कई घंटों तक तलाश अभियान चलाया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। रविवार तड़के किसी नए सर्च अभियान के शुरू होने से पहले ही प्रदीप कश्यप का शव नदी में बहकर शनि मंदिर के पीछे किनारे पर आ गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। अपनी जान की परवाह किए बिना दो बच्चों की जान बचाने वाले प्रदीप कश्यप के साहस और मानवता की लोग सराहना कर रहे हैं।

रायपुर ट्रैफिक पुलिस को मिली 10 नई हाई-स्पीड बाइक, जाम की सूचना मिलते ही पहुंचेगी क्यूआरटी

रायपुर (वीएनएस)। राजधानी रायपुर में यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी और तेज बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस की क्विक रिस्पॉन्स टीम को 10 नई हाई-स्पीड आधुनिक बाइक उपलब्ध कराई गई हैं। इन बाइकों के जरिए अब पुलिस भीड़भाड़ और जाम वाले इलाकों में तेजी से पहुंचकर यातायात सुचारु कराने की कार्रवाई करेगी। नई बाइक इमरजेंसी लाइट और सायरन से लैस हैं, जिससे सदरबाजार, रामसागरपारा, तात्यापारा समेत शहर के अन्य संवेदनशील और अधिक ट्रैफिक वाले क्षेत्रों में क्यूआरटी की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पुलिस कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्यूआरटी टीमों को नई बाइक सौंपीं और शहर के जाम प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने यातायात अधिकारियों की बैठक लेकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा भी की। पुलिस के अनुसार, सभी 10 क्यूआरटी टीमों को आधुनिक दोपहिया वाहनों से सुसज्जित किया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि ट्रैफिक जाम की सूचना मिलते ही संबंधित टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात को सामान्य बनाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

ट्रैफिक जाम की सूचना इस नंबर पर दें– यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि शहर में कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनने पर तुरंत यातायात हेल्पलाइन नंबर 94792 10632 पर सूचना दें। सूचना मिलते ही संबंधित ट्रैफिक थाने की क्यूआरटी टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था बहाल करने की कार्रवाई करेगी। इस अवसर पर एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले सहित यातायात पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

राजधानी रायपुर के भाठागांव क्षेत्र में कथित रूप से केमिकल की मदद से नकली पनीर तैयार

रायपुर (वीएनएस)। किए जाने की शिकायत पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए पनीर के सैंपल जब्त कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। मामले को लेकर कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस नेता नवाज खान का आरोप है कि संबंधित फैक्ट्री में बिना दूध के पनीर तैयार किया जा रहा था। उनका दावा है कि इस संबंध में वीडियो साक्ष्य भी मौजूद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फैक्ट्री संचालक ने कैमरे पर अधिकारियों से सांठगांठ होने की बात कही, जिसके कारण उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। कांग्रेस का यह भी कहना है कि शिकायत मिलने के बावजूद खाद्य विभाग की टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंची, जिससे फैक्ट्री संचालक को तैयार माल और अन्य सामग्री हटाने का मौका मिल गया।

24 घंटे में कार्रवाई की मांग– युवा कांग्रेस ने प्रशासन से 24 घंटे के भीतर संबंधित फैक्ट्री को सील करने और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर खाद्य विभाग कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई– खाद्य अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर पनीर के नमूने जब्त किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। उन्होंने कहा कि लैब रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पनीर मानकों के अनुरूप है या नहीं। रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लंबित भर्तियां शुरू करने की मांग को लेकर रायपुर पहुंचे बेरोजगार युवा, जनप्रतिनिधियों को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे बेरोजगार अभ्यर्थी शनिवार को राजधानी रायपुर पहुंचे और लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को जल्द शुरू करने की मांग को लेकर सरकार से गुहार लगाई। अभ्यर्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग की। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार की घोषणाओं के अनुरूप वे लंबे समय से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन वित्तीय स्वीकृति मिलने के बावजूद कई विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की जा रही है। उनका आरोप है कि लगातार हो रही देरी से अभ्यर्थियों की आयु सीमा प्रभावित हो रही है और वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा हो गया है।

700 असिस्टेंट प्रोफेसर और 5 हजार शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग- अभ्यर्थियों के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग में लगभग 700 असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए करीब एक वर्ष पहले वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि विभाग में 3 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग में 5 हजार शिक्षक पदों के लिए भी वित्तीय स्वीकृति जारी हो चुकी है, लेकिन भर्ती प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं की गई है। उनका दावा है कि विभिन्न विभागों में कुल करीब 75 हजार पद रिक्त हैं।

छह बार सौंप चुके हैं आवेदन- अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने की मांग को लेकर वे अब तक विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, उच्च शिक्षा मंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री सहित संबंधित जनप्रतिनिधियों को छह बार ज्ञापन सौंप चुके हैं। इसके बावजूद भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से युवाओं में निराशा बढ़ रही है।

अभ्यर्थियों ने सरकार से मांग की है कि लंबित भर्तियों के विज्ञापन जल्द जारी किए जाएं और पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से चयन प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिल सके।

मूकबधिर दिव्यांग युवती के साथ दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

मुंगेली (वीएनएस)। जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां दरिंदे ने एक मूकबधिर दिव्यांग युवती के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को महज 48 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पूरा मामला लोरमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, 9 जुलाई की सुबह करीब 8:30 बजे पीड़िता अपने घर के आंगन में अकेली बैठी थी। युवती दोनों हाथ-पैरों से दिव्यांग है और बोल नहीं सकती, लेकिन इशारों में बात समझती है। इसी का फायदा उठाकर गांव के ही आरोपी दीपक पटेल ने घर में घुसकर लोहे का गेट अंदर से बंद कर दिया और युवती के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता की मां ने तुरंत थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए मुंगेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद लोरमी पुलिस तुरंत एक्शन में आई। चूंकि पीड़िता मूकबधिर थी, इसलिए पुलिस ने संवेदनशीलता बरतते हुए 'सत्य सांई हेल्प वे मूकबधिर आवासीय विद्यालय मुंगेली' की विशेष शिक्षिका के माध्यम से द्विभाषिया कथन दर्ज कराया। पीड़िता का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ ही घटना से जुड़े तमाम वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद घेराबंदी कर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया। लोरमी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नए कानून के तहत सुसंगत धाराओं में अपराध दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

रथयात्रा 2026: श्रद्धालुओं को साइबर ठगी से बचाने के लिए ओडिशा पुलिस ने शुरू किया

'साइबर रथ' अभियान

पुरी (वीएनएस)। महाप्रभु जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पुरी पहुंचने की संभावना के बीच ओडिशा पुलिस ने साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए विशेष 'साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान' शुरू किया है। इस अभियान के तहत शनिवार को पुरी में 'साइबर रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर राज्य क्राइम ब्रांच द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य श्रद्धालुओं, पर्यटकों, स्थानीय नागरिकों और होटल संचालकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

साइबर रथ पुरी शहर के प्रमुख मार्गों, होटल क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर घूमकर लाउडस्पीकर और जागरूकता सामग्री के माध्यम से लोगों को सुरक्षित ऑनलाइन बुकिंग और साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देगा।

212 फर्जी होटल वेबसाइटें और 26 वेब पेज ब्लॉक– क्राइम ब्रांच की सोशल मीडिया विंग रथयात्रा के नाम पर होने वाली ऑनलाइन ठगी पर लगातार नजर रख रही है। पुलिस के अनुसार, इस वर्ष अब तक 212 फर्जी होटल वेबसाइटों और 26 फर्जी वेब पेजों की पहचान कर उन्हें ब्लॉक कराया जा चुका है। इनमें से केवल जून महीने में ही 50 फर्जी वेबसाइटें बंद कराई गई हैं ये वेबसाइटें प्रसिद्ध होटलों के नाम से मिलते-जुलते डोमेन बनाकर कम कीमत पर कमरे बुक कराने का झांसा देकर श्रद्धालुओं से अग्रिम राशि वसूल रही थीं।

होटल संचालकों के साथ समन्वय– रथयात्रा के दौरान साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस ने पुरी होटल ओनर्स एसोसिएशन के साथ समन्वय बढ़ाया है। इसी कड़ी में होटल संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें फर्जी वेबसाइटों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई, ताकि श्रद्धालुओं तक सही और प्रमाणिक जानकारी पहुंचाई जा सके।

श्रद्धालुओं के लिए पुलिस की अपील– ओडिशा पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि होटल की बुकिंग केवल आधिकारिक वेबसाइट या विश्वसनीय माध्यम से ही करें। किसी अनजान लिंक, कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन लेनदेन से बचें। यदि साइबर धोखाधड़ी का शिकार हों, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

छत्तीसगढ़ में 13 जुलाई से फिर सक्रिय होगा मानसून

अगले 5 दिनों तक बारिश के आसार

रायपुर (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून की शुरुआत जोरदार रही, लेकिन पिछले कुछ दिनों से बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई है। वर्षा में कमी के चलते कई शहरों में तापमान सामान्य से ऊपर पहुंच गया है। हालांकि मौसम विभाग ने 13 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां फिर तेज होने की संभावना जताई है। अगले पांच दिनों तक विशेषकर उत्तरी छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान सरगुजा और बस्तर संभाग के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। इसके बावजूद प्रदेश में अब तक हुई मौसमी बारिश सामान्य से 21 प्रतिशत कम बनी हुई है। इस अवधि में दुर्ग का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस और अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

इन मौसम प्रणालियों का दिखेगा असर

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर समुद्र तल से लगभग 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। वहीं उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे लगे क्षेत्रों में 3.1 से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच एक और चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों में वर्षा की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में यहां हुई सबसे अधिक बारिश

प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान डौरा कोचली में सबसे अधिक 4 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा बलरामपुर, कुनकुरी, जशपुरनगर, वाड्राफनगर, दुलदुला और शंकरगढ़ में 3-3 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं चलगली, सन्ना, रामानुजनगर, कुसमी और प्रतापपुर में 2-2 सेंटीमीटर तथा ओडगी, भैयाथान, छिंदगढ़, कांसाबेल, बगीचा, मनोरा, उदयपुर, सूरजपुर, राजपुर, चांदो, कापू और बागबहार में 1-1 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान – सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी – पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया।

मेसी के बिना भी नहीं रुका अर्जेंटीना

क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

अल्वारेज और एलिस्टर बने हीरो

कैंसस (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया। बिना लियोनेल मेसी को गोल के भी गतविजेताओं ने अंतिम-4 में जगह बना ली है। कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा – मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था।

छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में, अर्जेंटीना, अब इंग्लैंड से मुकाबला

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है। स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया।

डैन एनड्यॉय ने स्विट्ज़रलैंड को बराबरी दिलाई

हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्यॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई।67वें मिनट में डैन एनड्यॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

मेसी के क्रॉस पर मैक एलिस्टर का गोल

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था।इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

एम्बोलो को रेड कार्ड, मैदान पर रोने लगे

72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ लियोनेल मेसी की टीम ने रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए पहनी काली पट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान अर्जेंटीना के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। ऐसा उन्होंने टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एंटोनियो रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए किया, जिनका शनिवार को निधन हो गया। रैटिन अर्जेंटीना और बोका जूनियर्स के सबसे शानदार खिलाड़ियों में गिने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार प्रदर्शन किए और 1962 व 1966 वर्ल्ड कप में भी देश का गौरव बढ़ाया।राटा के नाम से मशहूर रैटिन ने 1956 से 1970 के बीच बोका जूनियर्स के लिए 382 मैच खेले, 28 गोल किए और क्लब को चार लीग खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1962 और 1966 फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व भी किया। परिवार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, एंटोनियो रैटिन का 11 जुलाई को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें स्ट्रोक आने की आशंका थी, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अर्जेंटीना के फुटबॉल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

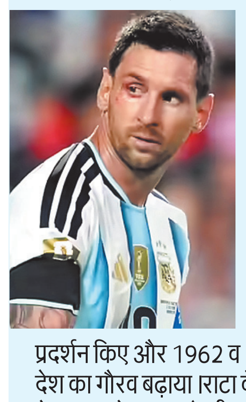

इंग्लैंड फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

- नॉर्वे को क्वार्टर फाइनल में 2-1 से हराया, बेलिंगहैम ने दो गोल दागे

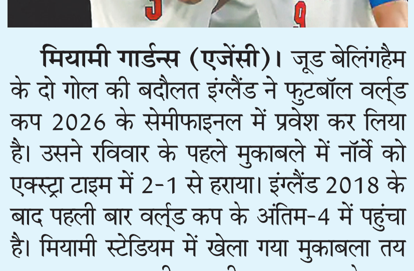

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने रविवार के पहले मुकाबले में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराया। इंग्लैंड 2018 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के अंतिम-4 में पहुंचा है। मियामी स्टेडियम में खेला गया मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने टीम के दोनों गोल किए। विजयी गोल एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में हराया। इंग्लैंड का सेमीफाइनल मैच अर्जेंटीना से 15 जुलाई को होगा।जूड बेलिंगहम ने मैच में 2 गोल किए। उनके फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 6 गोल हो गए हैं। इंग्लिश कैप्टन हैरी केन ने भी 6 गोल किए हैं। यह पहली बार है, जब इंग्लैंड के दो खिलाड़ियों ने एक ही वर्ल्ड कप में 5 या उससे अधिक गोल दागे हैं।गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए अपना 18वां मैच खेलकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पीटर शिल्टन के 17 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वर्ल्ड कप इतिहास में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले गोलकीपर बन गए।इंग्लैंड ने चौथी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले टीम 1966, 1990 और 2018 के एडीशन के टॉप-4 में शामिल रही थी।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

- कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया; करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी

लंदन (एजेंसी)। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

4 साल में तीसरी चेक चैंपियन बनीं लिंडा नोस्कोवा – लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मैच पॉइंट गंवाने के बाद कांपने लगी थीं नोस्कोवा – मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बॉडी लैंग्वेज देखने लायक था। वे क्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया। जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाइंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा,दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए फ्लाइट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए। महिला सिंगल्स फाइनल में सेंटर कोर्ट पर कैरोलिना मुहोवा को हराने के बाद लिंडा नोस्कोवा अपनी दिवंगत मां की याद में आसमान की ओर किस उड़ाती हुईं।

मुहोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा- लिंडा मेरी एक्स-फ्रेंड हैं – हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा,शब्द ढूंढना मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी पूर्व दोस्त (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से शुरुआत करूंगी। आपने जिस तरह से दबाव को संभाला और खेला, वह अविश्वसनीय था। आप इस जीत की हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा,मैं आगे भी लड़ती रहूंगी। मुझे यह ट्रॉफी चाहिए और उम्मीद है कि मैं फिर से फाइनल में पहुंचकर इसे जीतूंगी। बता दें कि मुचोवा पिछले कुछ समय से कलाई की गंभीर चोट से जूझ रही थीं, जिसके कारण उन्हें एक समय सिंगल-हैंडेड बैकहैंड से खेलना पड़ा था।

नोस्कोवा इस पूरे टूर्नामेंट में कठिन परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़ी हैं। वे इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ मैच पॉइंट से पिछड़ रही थीं, लेकिन वहां से वापसी कर उन्होंने मैच जीता। विंबलडन के इतिहास में मैच पॉइंट बचाकर खिताब जीतने वाली वे केवल तीसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह कारनामा वीनस विलियम्स (2005) और सेरेना विलियम्स (2009) ही कर सकी थीं।

एक ही घर में वास्तुदोष से नुकसान और वास्तु सुधार से लाभ, जानें पूरी कहानी

अपने भवन का निर्माण जल्दीबाजी में नहीं करना चाहिए। सभी दृष्टियों से सोच-समझकर विद्वान वास्तुकारों की सलाह लेकर ही भवन निर्माण आदि करवाना चाहिए, ताकि नए भवन में रहने पर किसी भी प्रकार के वास्तुदोष की गुंजाइश न रहे। आज यहां एक ऐसे भवन की चर्चा कर रहे हैं, जिसमें वास्तुदोष के कारण मकान मालिक पर कष्ट आया, वास्तु सुधार के बाद आज उनका परिवार सम्पन्न है। बहुत वर्षों पहले एक सज्जन ने विकास प्राधिकरण द्वारा एक भूखण्ड प्राप्त किया था, बैंक से ऋण लेकर मकान बनवाने का विचार किया। वह सज्जन कर्म प्रधान थे, कर्म को सर्वोपरि मानने के कारण ईश्वर पर उनकी आस्था नहीं थी, इसलिए उन्होंने वास्तु के सिद्धान्तों की अवहेलना कर येन-केन-प्रकारेण दो-तीन कमरों का छोटा-सा मकान भूखण्ड पर बना लिया, वह वास्तु के नियमों के सर्वथा विपरीत था। वास्तु विजिट के दौरान उस भूखण्ड पर निम्नलिखित वास्तुदोष पाए गए।

उस भवन में उत्तर व पूर्व दिशाएँ बन्द कर दी गई और दक्षिण-पश्चिम में खुला स्थान अधिक छोड़ दिया गया था।

उत्तर-पूर्व में रसोई घर की स्थिति उपयुक्त नहीं थी।

पूर्व में सीढ़ियाँ तथा दक्षिण-पूर्व यानि आग्नेय कोण पर शौचालय व स्नानघर उचित स्थान पर नहीं थे।

सीढ़ियों के ऊपर ढकने के लिये बनाई गई अटारी के कारण पूर्व की ओर भवन की ऊंचाई पश्चिम व दक्षिण की अपेक्षा अधिक हो गई जो वास्तु के विपरीत थी।

भूखण्ड के दक्षिण में उत्तर की अपेक्षा अत्यधिक स्थान खाली छोड़ कर निर्माण कराया गया था।

इसी प्रकार के वास्तुदोष तथा मकान मालिक की व्यक्तिगत ग्रहदशा के कारण उक्त भूखण्ड क्रय करने के पश्चात् एक वर्ष भी नहीं बीता था कि बीमारी के कारण मकान मालिक की मृत्यु हो गई। कुछ वर्षों बाद उस परिवार के एक सदस्य ने भवन का वास्तु दिखवाया, भवन में निम्नलिखित वास्तु सुधार कराया गया। दक्षिणी भाग में खाली पड़ी अतिरिक्त भूमि को बेचकर उस भूखण्ड को छोटा कराया गया जिससे दक्षिण की ओर खाली स्थान उत्तर की अपेक्षा कम हो गया, जिससे उस जगह का वास्तुदोष समाप्त होने के कारण परिवार के सदस्यों को धन भी प्राप्त हुआ।

सीढ़ियाँ व शौचालय पूर्व व दक्षिण पूर्व में वर्तमान स्थान से हटाकर दक्षिण-पश्चिम भाग में बनाए गए, जो उस भवन के वास्तु के अनुसार उचित थे।

रसोईघर को दक्षिण-पूर्व यानि अग्नि कोण पर परिवर्तन किया गया।

सम्बन्धित व्यक्तियों ने उक्त सलाह मान ली और इसके अनुसार ही परिवर्तन तुरन्त किया गया। वास्तु सम्बन्धी नियमों को समझकर आवश्यक सुधार कराने पर उस परिवार की सारी कठिनाइयाँ दूर होती चली गई और सुगमता से मकान का निर्माण पूरा हो सका। आज वह परिवार अपने घर में सुख से निवास कर रहा है।

जीवन बार-बार देता है संकेत, आवश्यकता है उन्हें समझने की, जीवन के संकेतों को पढ़ना सिखाता है ज्योतिष

फिल्मों और साहित्य में अनेक भावों तथा घटनाओं को प्रत्यक्ष रूप से दिखाने के स्थान पर प्रतीकों के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाता है। यदि किसी दृश्य में जलता हुआ दीपक अचानक बुझ जाए, तो दर्शक सहज ही समझ जाता है कि यह किसी व्यक्ति की मृत्यु या जीवन-ज्योति के समाप्त होने का संकेत है। दो पुष्प-डालियों का एक-दूसरे से लिपट जाना प्रेमी-प्रेमिका के मिलन का प्रतीक माना जाता है। भविष्य जानने के लिए ग्रह प्रतीकों को समझना जरूरी है। ज्योतिष ग्रहों, राशियों और भावों की गणना के साथ प्रतीकों की एक अत्यंत सूक्ष्म और गूढ़ भाषा है। जो व्यक्ति इन प्रतीकों की भाषा को समझ लेता है, उसके लिए जन्मकुंडली जीवन के रहस्यों को उद्घाटित करने वाली एक सजीव मानचित्र बन जाती है।

यह माना गया है कि चाहें ज्योतिष के सूत्र हों अथवा कविता आदि कोई भी साहित्य हो, यह अन्तर्मन से जब प्रकट होते हैं, तो अद्वितीय हो जाते हैं। जब हमारे अन्दर की भावनाएं सघन रूप में इकट्ठी हो जाती हैं, तब उसका प्रस्फुटन साहित्य के रूप में होता है। मनोवैज्ञानिकों का भी मानना है कि आवेश के क्षणों में बहुत ही असाधारण भाषा, विचार और सूत्रों का जन्म होता है। यदि उस क्षण उसे नोट नहीं किया गया तो वे हमेशा के लिए गायब हो जाते हैं।

सूर्य केवल आकाश में चमकने वाला एक तारा नहीं है। ज्योतिष में वह आत्मा, पिता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, प्रतिष्ठा और जीवन-ऊर्जा का प्रतीक है। चन्द्रमा मन, भावनाओं, माता और मानसिक स्थिरता का प्रतीक है। मंगल युद्ध, साहस, ऊर्जा, पराक्रम और संघर्ष-शक्ति का संकेत देता है। इसी प्रकार प्रत्येक ग्रह अपने भीतर अनेक अर्थों को समेटे हुए हैं।जन्मकुण्डली के भावों का भी यही स्वरूप है। सप्तम भाव विवाह के साथ साझेदारी, सामाजिक व्यवहार, समझौते और सार्वजनिक जीवन का प्रतीक है। अष्टम भाव को सिर्फ मृत्यु भाव नहीं समझना चाहिए, यह परिवर्तन, शोध, रहस्य, गूढ़ ज्ञान और जीवन के गहन अनुभवों का भी प्रतिनिधित्व करता है। यदि कोई ज्योतिषी केवल एक प्रतीक को पकड़कर निष्कर्ष निकाल दे, तो वह सत्य से दूर हो सकता है।

एक ही ग्रह या योग अलग-अलग कुंडलियों में भिन्न प्रकार से फलित होता है। उसका अर्थ उस ग्रह की स्थिति, बल, दृष्टि, युति, भाव, राशि और संपूर्ण कुंडली के संदर्भ में बदल सकता है, इसलिए ज्योतिष में प्रतीकों को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक समग्र चित्र के रूप में समझना आवश्यक है। एक कुशल ज्योतिषी वही है जो प्रतीकों की मौन भाषा को पढ़ सके और उनके पीछे छिपे जीवन-संदेश को समझ सके।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहना होगा। आपके घर किसी अतिथि के आने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अपने कामों से अपने बॉस को खुश रखेंगे। कार्यक्षेत्र में माहौल अच्छा रहेगा, जिससे आपको काम करने में खूब मजा आएगा।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा। आपके मन में प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको भरपूर मात्रा में सहयोग मिलेगा। दान धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। भाई व बहन के विवाह में आ रही समस्या भी दूर होगी।

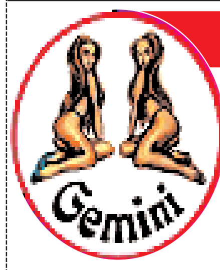

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। संतान के किसी काम को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। आप काम के सिलसिले में अपनी व्यवसाय पर ध्यान थोड़ा कम देंगे। आपको किसी नई नौकरी के मिलने से परिवार के सदस्य भी खुश रहेंगे। आपकी इनकम पहले से बेहतर रहेगी।

कर्क

कर्क – आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। शेयर बाजार में आपको थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करना होगा। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप किसी नए मकान की खरीदारी कर सकते हैं। आप कोई जरूरी बात घर व बाहर न जाने दे। नौकरी में यदि आप बदलाव की योजना बना रहे थे, तो आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपका प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। परिवार में यदि आप किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई निर्णय लेंगे, तो वह भी आपको बेहतर रहेगा। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि कंफ्यूजन हो, तो आप उसे बिल्कुल ना करें। आपके बढ़ते खर्च आपके लिए सिर दर्द बनेंगे।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है। आपकी इनकम के स्रोत बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बना सकते हैं। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। यदि लंबे समय से आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। व्यापार में आपको चुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप इधर-उधर के कामों में ज्यादा समय व्यतीत करेंगे। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी नए वाहन की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको अपनी सेहत में लापरवाही करने से बचना होगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। परिवार में नौकरी से संबंधित कामों को लेकर आपको भाग दौड़ अधिक रहेगी। कोई पारिवारिक समस्या यदि लंबे समय से आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी और आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती दिख रही है।आप अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलें नहीं तो बाद में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी ने मेहमान के दस्तक हो सकती हैं। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश करेंगे, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे। आप किसी से कोई कड़वी बात ना बोले।

कुंभ

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज दिन अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर लाभ मिलेंगे। किसी नई नौकरी का ऑफर आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। साझेदारी में यदि आपने कोई फैसला लिया था, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। यदि आपके ऊपर कुछ कर्ज था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है।

मीन

मीन- मीन राशि के जातकों को खुशियां भरपूर मिलेंगी, लेकिन उनके खान-पान में गड़बड़ी होने के कारण पेट संबंधित समस्याएं जन्म ले सकती हैं। संतान के साथ आप कुछ मौज मस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। आपको बिजनेस में भी अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप कोई फैसला थोड़ा सोच समझ कर लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। बिजनेस में आप किसी को पार्टनर बनाने की सोच सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, इंफाल में मैतेई लोगों के घरों में भीषण आगजनी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पश्चिमी क्षेत्र में मैतेई समुदाय के लोगों के

घरों को जलाने की घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया है। आगजनी की इस घटना के बाद पीड़ित समुदाय के करीब 600 लोगों के समूह ने पथराव करना शुरू कर दिया। कांतो सबल इलाके में शनिवार को हुई इस घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने टकराव से बचाव के लिए गश्त बढ़ा दी है और लोगों को एकत्रित नहीं होने दे रहे हैं। बताया गया है कि आगजनी की घटना में ज्यादातर उन घरों में आग लगाई गई जो खाली पड़े थे। इसलिए किसी जनहानि की सूचना नहीं है। पूर्व में हुई हिंसा के चलते उनमें रहने वाले लोग इलाका छोड़कर चले गए थे। विदित हो कि प्रदेश में मैतेई और नगा समुदाय के लोगों के बीच पिछले कई वर्षों से टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसमें जन-धन का काफी नुकसान हुआ है।

बेंगलुरु में 60 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स जब्त, आठ गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पांच विदेशी नागरिकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अनुमानित मूल्य 60.86 करोड़ रुपये है। आरोपितों के पास से 29 किलोग्राम एमडीएमए, 20 ग्राम कोकेन और एक हजार नशीली गोलियां जब्त की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान हेब्बल थाना, सीसीबी मादक पदार्थ रोधी शाखा और गिरिनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज अलग-अलग मामलों में चलाया। पुलिस दल ने उनके पास से 17.282 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 34.56 करोड़ रुपये है।

वंदे भारत में परोसा फटा दूध , शताब्दी में यात्रियों को दी एक्सपायर ब्रेड

ग्वालियर, एजेंसी। रेलवे की प्रीमियम ट्रेनों में बेहतर खानपान और विश्वस्तरीय यात्रा सुविधा के दावों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इन लग्जरी ट्रेनों में महंगा किराया और कैटरिंग चार्ज लेने के बावजूद यात्रियों को निम्न गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ परोसे जा रहे हैं।

शनिवार को इसके दो मामले सामने आए, जब हजरत निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को फटा हुआ दूध परोसने की शिकायत मिली, तो वहीं नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस में एक्सपायर डेट की ब्रेड परोस दी गई।

यात्रियों का कहना है कि जब प्रीमियम किराया वसूला जा रहा है तो भोजन की गुणवत्ता से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस में यह मामला उस समय सामने आया, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एडवोकेट राजेंद्र पाल गौतम एग्जीक्यूटिव क्लास कोच में निजामुद्दीन से झांसी की यात्रा कर रहे थे। नाश्ते के दौरान जैसे ही उन्होंने कार्न फ्लेक्स में दूध डाला, वह फट गया। उन्होंने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। करीब चार मिनट के वीडियो में उन्होंने दूध को घटिया बताते हुए कहा कि यह पीने योग्य नहीं है। उन्होंने रेल मंत्री से पूरे मामले की जांच कराने और केवल दूध ही नहीं, बल्कि ट्रेन में परोसे जाने वाले सभी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच कर दोषी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं शनिवार सुबह नई दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन (भोपाल) जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में भी खानपान व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। ट्रेन के सी-4 कोच में सफर कर रहे करीब 74 यात्रियों को नाश्ते में ऐसी ब्रेड परोस दी गई, जिसकी उपयोग अवधि 10 जुलाई को ही समाप्त हो चुकी थी।

एक यात्री की नजर जब ब्रेड के पैकेट पर अंकित यूज वाइ तारीख पर पड़ी तो अन्य यात्रियों ने भी अपने पैकेट जांचे। अधिकांश यात्री तब तक ब्रेड खा चुके थे।

पुणे इमारत हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 9

वेस्ट प्लांट ऑपरेटर प्रमुख ने भारी बारिश को ठहराया जिम्मेदार

पुणे, एजेंसी। पुणे के पास मोशी में कचरा प्रोसेसिंग यूनिट की इमारत के गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है, जबकि अंदर फंसे लगभग 23 लोगों में से 14 को बचा लिया गया है।

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के कमिश्नर विजय सूर्यवंशी ने बताया कि घटना के तीन दिन बाद भी एक व्यक्ति लापता है। तलाशी अभियान जारी है।

बुधवार को पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की तीन मंजिला प्रशासनिक इमारत तब गिर गई थी, जब पास में जमा कचरे का ढेर इस इमारत पर आ गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ और सेना सहित अन्य एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में विशेष मशीनें लगाई गईं थी। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि भारी बारिश और कचरे के ढेर से निकलने वाली जहरीली गैसों ने बचाव अभियान को चुनौतीपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच चल रही है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

मानसून का तांडव: कई राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

हिमाचल-उत्तराखंड में भूस्खलन और कश्मीर में फटा बादल

चंडीगढ़/देहरादून, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक भावित हुए हैं। वहां भूस्खलन के चलते सड़कें बंद हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मेघालय में जमकर बारिश हुई।

बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मिजोरम, तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश दर्ज की गई। उत्तराखंड में भारी बारिश से भूस्खलन में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 120 सड़कें बंद हो गईं।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा बह जाने और रास्ता दो दिन तक बंद रहने के बाद लगभग 100 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

एसडीआरएफ के अनुसार, उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में मलबे के कारण सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई। इसके बाद जवानों ने सावधानी से लगभग 100 यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित रास्ता पार कराया।

हिमाचल प्रदेश में शनिवार को मध्यम से भारी बारिश के कारण शिमला में भूस्खलन हुआ। सांगला में पिछले साल निर्मित एक अस्थायी पुल ढह गया और किन्नौर जिले में बाढ़ का पानी एक मंजिला मकान में घुस गया।

शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़ गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने और कोई बारिश न होने का अनुमान लगाया है। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री ज़्यादा था, लेकिन शुक्रवार के मुकाबले 2.4 डिग्री ज्यादा था।

पहलगाम में बादल फटने से अचानक बाढ़, कई होटल और घर प्रभावित: अनंतनाग जिले के पहलगाम और आसपास के ऊपरी क्षेत्रों में शनिवार शाम बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हो गया। बाढ़ के कारण क्षेत्र के कम से कम आधा दर्जन होटल व घर प्रभावित हुए। एहतियात के तौर पर होटलों में ठहरे पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थित अन्य होटलों में स्थानांतरित किया गया। प्रशासन के अनुसार, अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं है, जबकि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं निगरानी अभियान जारी है। हालांकि इससे श्रीअमरनाथ यात्रा पर कोई असर नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम के आवूरा और देहवाथू के वन क्षेत्र में शाम अचानक मूसलाधार बारिश हुई, जिसे स्थानीय स्तर पर बादल फटने की घटना माना जा रहा है। इसके चलते आवूरा नाले में अचानक बाढ़ आ गई। यह नाला आगे चलकर बटकूट में लिद्दर नाले से मिलता है।

बच्चों को स्कूल से छुट्टी करवा घूमने ले गई मां, सरकार ने ठोक दिया 60 हजार रुपए जुर्माना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक मां को अपने बच्चों को स्कूल से छुट्टी दिलाकर परिवार के साथ विदेश घूमने जाना महंगा पड़ गया। डेवोन की रहने वाली 36 वर्षीय शार्लोट क्राउच पर स्थानीय प्रशासन ने 480 पाउंड (करीब 60 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया, क्योंकि उन्होंने अपने बच्चों को बिना आधिकारिक अनुमति के स्कूल से पांच दिन की छुट्टी दिलाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शार्लोट अपने पति और चार बच्चों के साथ 1 जून को स्पेन के ग्रैन कैनारिया गई थीं। यह यात्रा उनके पिता और सौतेली मां की शादी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए थी। ब्रिटेन के नियमों के अनुसार, यदि कोई छात्र बिना स्कूल की अनुमति के छुट्टी लेकर घूमने जाता है, तो उसके माता-पिता पर प्रति बच्चे 80 पाउंड का जुर्माना लगाया जा सकता है। समय पर भुगतान नहीं करने पर यह राशि दोगुनी हो सकती है और मामला अदालत तक भी पहुंच सकता है। हालांकि शार्लोट ने बच्चों की अनुपस्थिति की जानकारी पहले ही स्कूल को दे दी थी और यह नहीं छिपाया कि वे परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जा रहे हैं। लेकिन लौटने के करीब एक महीने बाद उन्हें तीन बच्चों की गैर-हाजिरी के लिए कुल 480 पाउंड का जुर्माना भरने का नोटिस मिला। शार्लोट का कहना है कि यदि वे स्कूल की आधिकारिक छुट्टियों में यात्रा करते, तो पूरे परिवार की छुट्टियों का खर्च करीब 2,500 पाउंड (लगभग 2.9 लाख रुपये) अधिक आता। ऐसे में जुर्माना भरने के बाद भी उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई। शार्लोट का मानना है कि बच्चों की शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान बच्चों ने तैराकी सीखी, डॉल्फिन को प्राकृतिक वातावरण में देखा, हवाई यात्रा का अनुभव लिया और नई संस्कृति को समझा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर बच्चों की महत्वपूर्ण परीक्षाएं होतीं, तो वह कभी उन्हें स्कूल से छुट्टी नहीं दिलातीं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोगों ने नियमित स्कूल उपस्थिति को जरूरी बताया, जबकि कई यूजर्स ने कहा कि परिवार के साथ बिताया गया। समय भी बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पीओके के बढ़ते विरोध ने पाकिस्तान के कश्मीर दावे पर उठाए सवाल: रिपोर्ट में दावा- लोग अब खुलकर उठा रहे हैं आवाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों ने पाकिस्तान के उस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसमें वह खुद को कश्मीरी मुसलमानों का प्रतिनिधि बताता रहा है। न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक गेटस्टोन इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में लोग अब पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर आवाज उठा रहे हैं और इससे पाकिस्तान की कश्मीर संबंधी कहानी कमजोर पड़ती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान लोगों ने फोर्सेज आउट' (पाकिस्तानी सेना बाहर जाओ) जैसे नारे लगाए। इससे साफ संकेत मिलता है कि वहां के लोगों में पाकिस्तान की नीतियों को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह आंदोलन मई 2023 में बिजली की बढ़ती कीमतों और आटे की कमी के विरोध से शुरू हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने किया, जिसमें व्यापारी, वकील, ट्रांसपोर्टर, छात्र और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल थे। कमेटी ने सरकार के सामने 38 सूत्रीय मांगपत्र रखा था। इसमें सस्ती बिजली, सस्ता आटा, जरूरी सामान पर सब्सिडी और स्थानीय चुनाव व्यवस्था में सुधार जैसी मांगें शामिल थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि पीओके में बड़ी मात्रा में जलविद्युत उत्पादन होता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें महंगी बिजली दी जा रही है। वहीं खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और जरूरी सामान की कमी भी बनी हुई है। इन समस्याओं के कारण लोगों में लंबे समय से नाराजगी थी, जो अब बड़े आंदोलन का रूप ले चुकी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जून 2026 में मुजफ्फराबाद और रावलाकोट जैसे प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई। इसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने 5 जून को अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया। इसके नेताओं पर देशद्रोह के मामले दर्ज किए गए। साथ ही इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गईं तथा अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में मुस्लिम समुदाय द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि वहां के लोग अब पाकिस्तान को अपना रक्षक नहीं मानते। कई लोग मानते हैं कि पाकिस्तान के बिना उनका भविष्य बेहतर हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों को राजनीतिक अधिकार, आर्थिक अवसर और विकास के मामले में पीओके के लोगों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर लगाए आरोप, बोले- 20-30 करोड़ और मंत्री पद का ऑफर!

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी पर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को पार्टी छोड़ने के बदले करोड़ों रुपये और मंत्री पद का लालच दिया जा रहा है। हजरतबल में अपनी दादी अकबर जहान की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिशें लगातार की जा रही हैं। उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने उनके जम्मू क्षेत्र के एक विधायक को बंद कमरे में मुलाकात कर पार्टी छोड़ने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा, 'पहले पैसों का लालच दिया गया, फिर मंत्रालय का ऑफर दिया गया। जब इससे भी बात नहीं बनी तो मेरे विधायकों से कहा गया कि हमारे साथ आओ, हम आपको राज्य का दर्जा भी दिलाएंगे। एक विधायक ने मुझे बताया कि सुप्रीम कोर्ट से जुड़े भाजपा के एक वकील ने 20 से 30 करोड़ रुपये और मंत्री पद का ऑफर दिया।' उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता बिकाऊ नहीं हैं और कोई भी करोड़ों रुपये के बदले अपना ईमान नहीं बेचेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद उन्होंने केंद्र को पर्याप्त समय दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उनकी निर्वाचित सरकार को प्रभावी ढंग से काम नहीं करने दिया जा रहा और प्रशासनिक फैसलों में उपराज्यपाल के जरिए दखल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार को काम ही नहीं करने देना था तो चुनाव कराने का क्या मतलब था? फिर चुनाव ही नहीं कराने चाहिए थे।'

उचित समय आखिर कब आएगा? मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से सवाल किया कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए जिस 'उचित समय' की बात की जाती है, वह आखिर कब आएगा। उन्होंने कहा, 'हमें बताया जाए कि उस उचित समय तक पहुंचने के लिए हमें और क्या करना होगा? क्या राज्य का दर्जा तभी मिलेगा जब भाजपा जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आएगी?' उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया है और अब जनता राज्य का दर्जा बहाल होने की उम्मीद कर रही है।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
[illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
[illegible] एन.आई.टी. नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible] न्यूज एजेंसी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा